उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 25 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 20 जुलाई-2026

अंदर के पृष्ठ पर

काला नमक बनाने वाली भट्टियों से निकलते जहरीले धुएं के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन 4

बागेश्वर के भाई शालिग्राम को पुलिस ने किया गिरफ्तार, किसान पर गोली चलाने का है आरोप 5

मानसून सत्र में सरकार पेश करेगी पांच नए विधेयक

वंदे मातरम के अपमान पर क्या है केंद्र की तैयारी?

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।संसद के मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार से होने वाली है, जिसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की तरफ से अपनी-अपनी तैयारियां की गई। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार, सरकार सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में पांच नए विधेयक पेश करने जा रही है। इसके साथ ही सरकार वंदे मातरम का अपमान करने को आपराधिक अपराध बनाने के लिए राज्यसभा में बिल लाएगी। पढ़ें, कौन से हैं वे विधेयक जो आगामी सत्र में पेश किए जाएंगे...

केंद्र सरकार सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में पांच नए विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें आयकर और एमएसएमई सुधार, सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने और जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानून में बदलाव से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र के दौरान सरकार आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करेगी। इन दोनों विधेयकों के जरिए पहले जारी अध्यादेशों की जगह कानून बनाया जाएगा। इसके अलावा सरकार जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश करेगी।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को केंद्र सरकार राज्यसभा में वंदे मातरम के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक विधेयक पेश करेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को सदन में पेश करेंगे। यह विधेयक राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन करेगा। मौजूदा कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन का अपमान करना अपराध है, जिसके लिए तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। प्रस्तावित संशोधन के तहत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण दिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति वंदे मातरम के गायन में बाधा डालता है या किसी भी रूप में उसका अपमान करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी। सरकार यह विधेयक ऐसे समय ला रही है, जब देशभर में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इसी क्रम में केंद्र सरकार राष्ट्रीय गीत को राष्ट्रगान के समान कानूनी दर्जा और सुरक्षा देने की दिशा में यह कदम उठा रही है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय सभी राज्यों को पत्र लिखकर निर्देश दे चुका है कि जहां भी सरकारी कार्यक्रमों में जन गण मन गाया जाए, वहां वंदे मातरम का गायन या वादन भी अनिवार्य रूप से किया जाए।

आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य पहले जारी अध्यादेश का स्थान लेना है। इसे भारत के सॉवरेन डेट मार्केट को मजबूत करने, वैश्विक पूंजी निवेश आकर्षित करने और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बीच बाजार में तरलता बढ़ाने के लिए पेश किया जा रहा है। पिछले महीने सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए विदेशी पूंजी आकर्षित करने हेतु अध्यादेश जारी किया था। इसके तहत विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों से मिलने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी गई थी।

वांगचुक मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई

अंतरिम आदेश देने से किया इनकार, केंद्र को नोटिस, मिलने की अनुमति बरकरार

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।दिल्ली हाईकोर्ट में सोनम वांगचुक मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने अंतरिम राहत देने से इनकार करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो और अन्य साथियों के लिए अलग रेस्ट रूम उपलब्ध कराने तथा उन्हें वांगचुक से मिलने की अनुमति देने के निर्देश दिए। सोनम वांगचुक से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और विवेक तंखा कोर्ट रूम में मौजूद रहे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा भी अदालत में पक्ष रखे। अदालत ने कोई अंतरिम आदेश पारित करने से मना कर दिया। अदालत ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही सोनम वांगचुक के साथ मौजूद उनकी पत्नी व अन्य लोगों को अलग रेस्ट रूम देने के लिए निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि उन्हें सोनम से मिलने का एक्सेस दिया जाएगा। यह सुनवाई उनकी पत्नी गीतांजलि आंग्मो की ओर से दायर याचिका पर हुई। वहीं, सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल में चिकित्सा देखभाल मिल रही है। जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, उनके महत्वपूर्ण पैरामीटर स्थिर हैं।सोनम वांगचुक की तरफ से कपिल सिब्बल ने बहस की शुरुआत की, सिब्बल ने कहा कि हम रिहाई चाहते हैं। हमने मेदांता हॉस्पिटल से बात की है। हमें अपने वकील और अपने डॉक्टर से मिलने से मना कर दिया गया है।एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि हम इस मैटर को डील कर रहे हैं, कृपया 16 जुलाई के आदेश को देखा जाए, जिसमें कहा गया है कि सरकारी डॉक्टरों द्वारा नियमित जांच की जाए और जरूरत पड़ने पर मेडिकल हस्तक्षेप किया जाए।चेतन शर्मा ने सोनम की हेल्थ स्टेट्स रिपोर्ट को अदालत के समक्ष रखते हुए कहा कि वांगचुक डायबिटिक नहीं है। लेकिन 18 दिन की फास्टिंग की वजह से किडनी के फंक्शन को समस्या आ रही थी।

उन्हें बिना शुगर के इलेक्ट्रोलाइट्स दिए जा रहे हैं। उन्हें किसी अन्य नागरिक की तरह सरकारी डॉक्टरों पर विश्वास रखना चाहिए।सोनम को एम्स शिफ्ट कर सकते हैं-चेतन शर्मा ने सोनम की हेल्थ स्टेट्स रिपोर्ट को अदालत के समक्ष रखते हुए कहा कि वांगचुक डायबिटिक नहीं है। लेकिन 18 दिन की फास्टिंग की वजह से किडनी के फंक्शन को समस्या आ रही थी।

उन्हें बिना शुगर के इलेक्ट्रोलाइट्स दिए जा रहे हैं। उन्हें किसी अन्य नागरिक की तरह सरकारी डॉक्टरों पर विश्वास रखना चाहिए। हम डबल बेंच के आदेश का पालन कर रहे हैं। हम उन्हें एम्स में शिफ्ट कर सकते हैं। पीठ ने कहा कि क्या उनके साथ मौजूद तीमारदार को अलग जगह दी गई है। जहां वह रुक सके। इसपर चेतन शर्मा ने कहा कि बिल्कुल जगह दी गई है।

शुगर और पोटेशियम का लेवल भी निम्नतम स्तर-डॉ. अक्षय ने कहा कि मैं एम्स का एडिशनल प्रोफेसर हूं। हम उनका इलाज कर रहे हैं उन्हें ओरली बिना शुगर के इलेक्ट्रोलाइट्स और पोटेशियम दिया जा रहा है। उन्हें आइवी के जरिए विटामिन दिए जाने की जरूरत है। हालांकि उन्होंने इसके लिए मना कर दिया है। उनके शरीर के कई पैरामीटर बॉर्डर लाइन पर है। शुगर और पोटेशियम का लेवल भी निम्नतम स्तर पर है। उन्हें कार्बोहाइड्रेट और पोटेशियम की जरूरत है।

सिब्बल ने कहा कि वांगचुक हिरासत में नहीं हैं, भारत के स्वतंत्र नागरिक होने के नाते उन्हें अपनी पसंद के अस्पताल में जाने का अधिकार है। 16 जुलाई का आदेश जब दिया गया तो वह पार्टी नहीं थे, हम अपनी पसंद के अस्पताल में इलाज चाहते हैं। इस पर सरकार कैसे इनकार कर सकती है।

नागालैंड में भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन, आठ लोगों की मौत, 12 घायल

» बीपीएस न्यूज

नागालैंड के मोन जिले में रविवार को लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं। इन हादसों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हुए हैं। मोन जिले के उपायुक्त ने एएनआई को बताया कि अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि चार लोग अब भी मलबे में दबे हैं।

नागालैंड के मोन जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच रविवार सुबह हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है। डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में हुए इस हादसे में 10 से 15 मकान, जिनमें 13 घर पूरी तरह प्रभावित बताए जा रहे हैं, मलबे में दब गए। प्रशासन के अनुसार राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है, लेकिन लगातार बारिश, अस्थिर पहाड़ी ढलानों और तेज बहाव के कारण अभियान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को तत्काल अनुग्रह राशि और प्रभावित परिवारों को राहत सहायता देने की घोषणा की है।

अब तक चार शव निकाले गए

मोन के उपायुक्त वेन्येई कोन्याक ने कहा कि अब तक 4 शव बरामद किए गए हैं और चार अन्य लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं। उन्होंने बताया कि कई लोगों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है और उनकी तलाश जारी है।

उन्होंने कहा, सबसे अधिक प्रभावित इलाके मोन टाउन और तिजित हैं। भारी बारिश रात करीब 1 बजे शुरू हुई और हमें सुबह करीब 6-7 बजे भूस्खलन की घटनाओं की जानकारी मिली। स्ष्ठक्रस्न, पुलिस, असम राइफल्स, ह्रष्ठक्रस्न की टीमें और स्थानीय लोग खोज और बचाव अभियान में लगे हुए हैं। अब तक हमने मलबे से चार शव बरामद किए हैं, जिनमें तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। 12 अन्य लोग घायल हुए हैं। कई जगहों पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है।

रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार असम राइफल्स, एनडीआरएफ, नागालैंड पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), जिला प्रशासन तथा स्थानीय स्वयंसेवक संयुक्त रूप से बचाव अभियान चला रहे हैं। भारी वर्षा के कारण मोन शहर के अन्य हिस्सों में भी भूस्खलन और जलभराव की घटनाएं सामने आई हैं। नदी किनारे तेज कटाव से कई अन्य मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं: वांगचुक की पत्नी ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

» बीपीएस न्यूज

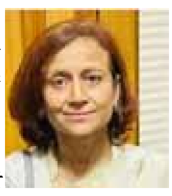

नई दिल्ली ।पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने सफदरजंग अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उनका सफदरजंग सरकारी अस्पताल पर से भरोसा उठ गया है। साथ ही उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की है।

गीतांजलि ने दावा किया कि अस्पताल ने उन्हें बताया था कि सोनम वांगचुक का पोटेशियम स्तर घटकर 2.9 रह गया है और इसे चिंताजनक व जानलेवा स्थिति बताया गया। हालांकि, अस्पताल द्वारा जारी सार्वजनिक हेल्थ बुलेटिन में वास्तविक आंकड़ा साझा नहीं किया गया और केवल इतना कहा गया कि पोटेशियम का स्तर कम हो रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक स्वतंत्र प्रयोगशाला की जांच में पोटेशियम स्तर 3.5 पाया गया, जो सामान्य सीमा के भीतर है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद अस्पताल प्रशासन सोनम वांगचुक को डिस्चार्ज करने या उनकी पसंद के किसी निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दे रहा है। उनके अनुसार, वार्ड के बाहर लगभग 30 पुलिसकर्मी और पूरे अस्पताल परिसर में 100 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं, जिससे उनकी आवाजाही सीमित हो गई है। उन्होंने इसे चिकित्सकीय देखभाल नहीं, बल्किअवैध हिरासत बताया।गीतांजलि ने कहा कि यदि सोनम वांगचुक के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन और सरकार की होगी। उन्होंने बताया कि इसी कारण उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की है। याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि सोनम वांगचुक की सेहत और अधिक बिगड़ने से पहले उन्हें उनकी पसंद के निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाए। गीतांजलि ने कहा कि किसी भी परिवार को अपने प्रियजन के इलाज के लिए अस्पताल चुनने के अधिकार हेतु व्यवस्था से लड़ने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए।

नीट में चयन न होने से आहत छात्रा ने खाया जहर, मौत

» बीपीएस न्यूज

जालौन।डॉक्टर बनने का सपना संजोए हमीरपुर जिले के राठ कस्बे की छात्रा की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों के अनुसार छात्रा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में चयन न होने के बाद मानसिक तनाव में थी। शनिवार को उसने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में पहले उसे राठ के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

राठ कस्बे के मोहल्ला दीवानपुरा निवासी महेंद्र साहू की पुत्री श्रुति साहू (18) डॉक्टर बनना चाहती थी। उसने नीट परीक्षा की तैयारी के लिए लंबे समय तक मेहनत की थी। हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम में अपेक्षित अंक न मिलने से उसका मेडिकल कॉलेज में चयन नहीं हो सका। इसके बाद वह लगातार तनाव में रहने लगी थी। परिजनों ने बताया कि शनिवार को श्रुति ने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे आनन-फानन में राठ के अस्पताल ले जाया गया।प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाल आनंद सिंह का कहना है कि घटना हमीरपुर जिले की है। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसकी मौत हुई है।

रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे पिता महेंद्र साहू ने बताया कि बेटी का सपना डॉक्टर बनने का था।

भगवान श्री कृष्ण को मौलाना जरजिस अंसारी ने बताया मुसलमान

कहा- पढ़ते थे 5 वक्त की नमाज

» बीपीएस न्यूज

सोशल मीडिया पर मौलाना जरजिस अंसारी का एक वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। इस वीडियो में वे दावा करते दिख रहे हैं कि भगवान कृष्ण एक मुसलमान थे और दिन में पांच बार नमाज़ पढ़ते थे। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 23 जून को झारखंड में दिए गए एक धार्मिक भाषण का है। कृष्ण जन्मभूमि विवाद के बीच यह वीडियो फिर से सामने आया है, जिससे कई हिंदू संगठनों ने विरोध जताया है और मौलवी की गिरफ्तारी की मांग की है। अपने भाषण के दौरान, अंसारी ने भगवद् गीता का एक श्लोक उद्धृत किया योगी युंजिता सततम् आत्मनम् रहसि स्थितः, एकाकी यत-चित्तात्मा निराशिर अपरिग्रहः और दावा किया कि इसमें भक्तों को ÷संपूर्ण शरीर से÷ उपासना करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि स्वयं भगवान कृष्ण दिन में पांच बार उपासना करते थे। हिंदूधर्मअंसारी ने श्लोक सुनाने से पहले कहा यदि हमारे भाइयों को कोई आपत्ति न हो, तो कृष्ण जी भी दिन में पांच बार उपासना करते थे। यदि आपको विश्वास न हो, तो श्री भगवद् गीता के छठे अध्याय का दसवां श्लोक देखिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर हिंदू अपने धर्मग्रंथों का बारीकी से अध्ययन करें, तो वे इस्लाम से प्यार करने लगेंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस्लाम एक सार्वभौमिक धर्म है, जिसका उपदेश न केवल पैगंबर मुहम्मद ने दिया था, बल्कि भगवान राम और भगवान कृष्ण ने भी दिया था। उन्होंने कहा अगर हिंदू अपनी किताबें पढ़ें तो मेरा मानना ??है कि वे इस्लाम से प्यार करने लगेंगे। क्योंकि इस्लाम दुनिया का धर्म है। यह सिर्फ़ मुसलमानों का धर्म नहीं है। रामचंद्र जी ने भी इस धर्म को पेश किया है।

कृष्ण जी ने भी इसे पेश किया है। हालांकि, इस श्लोक के बारे में अंसारी की व्याख्या इसके स्वीकृत अर्थ से मेल नहीं खाती। भगवद्गीता के छठे अध्याय के 10वें श्लोक का अनुवाद है योगी को एकांत में रहकर, अकेले, मन और स्वयं को नियंत्रण में रखते हुए, इच्छाओं और मोह-माया से मुक्त होकर लगातार ध्यान में लीन रहना चाहिए।इस श्लोक में नमाज़, इस्लाम या दिन में पांच बार प्रार्थना करने की प्रथा का कोई ज़िक्र नहीं है। अंसारी पहले भी विवादों में रहे हैं। 2022 में इस मौलवी का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने दावा किया था कि एक मुस्लिम महिला को किसी भी परिस्थिति में, यहां तक ??कि प्रसव पीड़ा के दौरान भी, अपने पति की यौन इच्छा को पूरा करने से मना नहीं करना चाहिए। वीडियो में अंसारी ने कहा हे मुस्लिम महिला! यदि आप अपने पति को अपने शरीर का (यौन रूप से) लाभ उठाने की अनुमति नहीं देती हैं, तो आप एक गंभीर पाप कर रही हैं। पैगंबर के एक आदेश का हवाला देते हुए उन्होंने आगे कहा भले ही आप बच्चे को जन्म देने वाली हों और आपका पति आपके शरीर का आनंद लेना चाहता होज तो आपको अपने पति की इच्छा पूरी करनी होगी। संतो का कहना है कि सभी धर्म को जन्म देने वाले भगवान श्री कृष्णा है। वह मुस्लिम कैसे हो सकते हैं। मौलाना को बताएंगे धर्म ग्रंथ में क्या लिखा है। हिंदू संगठन के शिशिर चतुर्वेदी एफआईआर करने हजरतगंज थाने जा रहे है।

मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता: ईरान के समझौते से पीछे हटने पर बोले ट्रंप, IRGC का दावा- मार गिराया एमक्यू-9 ड्रोन

» बीपीएस न्यूज

वॉशिंगटन।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के अंतरिम समझौते से पीछे हटने के फैसले को महत्वहीन बताते हुए कहा कि अमेरिका का लक्ष्य केवल ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसे लागू न करने की घोषणा की है। इसी बीच आईआरजीसी ने अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते (एमओयू) का पालन नहीं करने के तेहरान के फैसले से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका की प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है।

एक अमेरिकी समाचार चैनल को दिए संक्षिप्त फोन साक्षात्कार में ट्रंप से ईरान के उस एलान पर सवाल किया गया, जिसमें उसने कहा था कि वह पिछले महीने अमेरिका के साथ हुए अंतरिम समझौते का पालन नहीं करेगा। इस पर ट्रंप ने कहा, ÷मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।÷ उन्होंने कहा कि इस युद्ध का मुख्य उद्देश्य ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देना है।अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन को लेकर छिड़े ताजा संघर्ष के चलते दोनों देशों में मतभेद बढ़ गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता जून के मध्य में हुआ था। इसका उद्देश्य अमेरिका और इस्राइल की ओर से फरवरी में शुरू किए गए युद्ध को समाप्त करना था।इस बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने इराक सीमा से लगे खुजेस्तान प्रांत के अहवाज शहर में अमेरिका के एक एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया है। अमेरिकी वायुसेना के अनुसार, एमक्यू-9 एक बड़ा मानव रहित विमान है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी, टोही और हवाई हमलों के लिए किया जाता है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर लगातार सैन्य अभियान चला रहा है। यह ईरान समर्थित ठिकानों पर लगातार आठवीं रात की सैन्य कार्रवाई थी। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि यह अभियान शनिवार रात व्हाइट हाउस की मंजूरी के बाद चलाया गया।बयान में कहा गया, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने 18 जुलाई की रात 11:30 बजे (ईटी) राष्ट्रपति के निर्देश पर ईरान के खिलाफ एक और सैन्य कार्रवाई पूरी की।÷ सेंटकॉम ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी से की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य ÷होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना था।

अपनी बात....

संपादकीय ....

वांगचुक के आंदोलन पर सहानुभूति से हो विचार

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती रही है कि यहां हर अलग राय व असहमति को सम्मान मिला है। निश्चय ही यह दृष्टि लोकतंत्र को मजबूत ही करती है। जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो प्रतिरोध की आवाज को सुनने के लिये नीति-नियंताओं को बड़ा दिल भी दिखाना चाहिए। एक बार फिर इस भावना की परीक्षा तब हो रही है, जब हमारे देश में लाखों बच्चों का भविष्य तय करने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठे हैं। परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाये रखने के लिये शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शर्करा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं। वे भले ही छात्रों के भविष्य के मुद्दे को लेकर अस्तित्व में आई- 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में खड़े हुए हों, लेकिन उनकी चिंता के केंद्र में उन लाखों छात्रों का भविष्य है, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं के तौर-तरीकों को लेकर अविश्वास जता रहे हैं। उनके आंदोलन के मूल में उन लाखों अभिभावकों की फिक्र है, जिनका भरोसा बार-बार पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रियाओं में अनियमितताओं को लेकर डगमगा रहा है। कहना मुश्किल है कि लगाया जा रहा हर आरोप सही ही हो, लेकिन एक बात से तो इनकार नहीं किया जा सकता कि देश की कई महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में लोगों का विश्वास कम हुआ है। ऐसे में देश के नीति-नियंताओं को पारदर्शी सुधार लाकर और बेहतर जवाबदेही के माध्यम से दरके हुए विश्वास को जल्द बहाल करने की जरूरत है।

निर्विवाद रूप से ये लोकतंत्र का तकाजा भी है कि सत्ताधीशों को किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन नागरिकों की बात को भी सुनना चाहिए, जो नीतियों की विसंगतियों को लेकर सवाल उठा रहे हों। यह जानते हुए कि उनकी राजनीतिक दल विशेष से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। निस्संदेह, देश में कोई भी सरकार जनता के अभिभावक के रूप में होती है। वैसे भी किसी शांतिपूर्ण विरोध की लंबे समय तक अनदेखी से आंदोलनकारियों और आम लोगों में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। निस्संदेह, यदि आंदोलनकारियों से बातचीत की पहल होती है तो इसको उसकी कमजोरी नहीं कहा जाएगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भूख हड़ताल के नैतिक और चिकित्सीय पहलू भी होते हैं। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह आंदोलन कर रहे व्यक्ति की अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करते हुए उसके जीवन की रक्षा करे। वहीं दूसरी ओर किसी भी चिकित्सीय हस्तक्षेप के दौरान कानून और चिकित्सा-संबंधी नैतिक नियमों का पालन किया जाना भी जरूरी है। इस बात में दो राय नहीं है कि मौजूदा गतिरोध से किसी का भी भला नहीं हो सकता। सही मायने में बातचीत की शुरुआत करने के लिये सरकार को हर मांग को पूरा करने की जरूरत भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारियों को भी बातचीत को सार्थक बनाने के लिये प्रयासरत रहने की जरूरत है। ऐसे में समस्या के समाधान के लिये एक भरोसेमंद समिति और चिंताओं से जुड़े मुद्दों पर विचार करने के लिये एक तय समय-सीमा वाला रोडमैप, भरोसे की कमी को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। सही मायने में इस आंदोलन के मानवीय पक्ष पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। यानी सरकार समझने की कोशिश करे कि इस आंदोलन के जन्म लेने के पीछे क्या भावनाएं काम कर रही थीं। साथ ही सरकार को शांतिपूर्ण विरोध के मूलभूत लोकतांत्रिक अधिकार का सम्मान करना चाहिए। निश्चित रूप से बातचीत के लिये किया गया कोई ईमानदार प्रयास गतिरोध को दूर करने में सहायक साबित हो सकता है। साथ ही इस बात की संवेदनशीलता का ध्यान रखना भी जरूरी है कि शासन की शिथिलता व उदासीनता की कीमत सोनम वांगचुक की सेहत को न चुकानी पड़े।

उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शर्करा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं। वे भले ही छात्रों के भविष्य के मुद्दे को लेकर अस्तित्व में आई- 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में खड़े हुए हों, लेकिन उनकी चिंता के केंद्र में उन लाखों छात्रों का भविष्य है, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं के तौर-तरीकों को लेकर अविश्वास जता रहे हैं।

ड्रोन टेक्नोलॉजी में कैरियर की ऊंची उड़ान

निरंजन भंडारी

ड्रोन तकनीक की शुरुआत भले ही रक्षा क्षेत्र में हुई थी लेकिन आज यह तकनीक आगे बढ़कर कृषि, उद्योग, पत्रकारिता, फिल्म निर्माण, सर्वेक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अहम भूमिका निभा रही है। हमारे देश में ड्रोन उद्योग के विस्तार से प्रशिक्षित ड्रोन पायलटों, इंजीनियरों और डेटा विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। ड्रोन ट्रेनर व संबंधित एआई एवं ऑटोमेशन विशेषज्ञ भी चाहिये। उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा के साथ यह क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और नवाचार के अवसर प्रदान कर रहा है।

कुछ वर्ष पहले तक ड्रोन केवल युद्ध और सुरक्षा से जुड़ी तकनीक माने जाते थे, लेकिन आज यह कृषि, उद्योग, फिल्म निर्माण, पत्रकारिता, आपदा प्रबंधन, चिकित्सा सेवाओं, ई-कॉमर्स और आधारभूत संरचना के विकास का महत्वपूर्ण उपकरण बन चुके हैं। भारत में भी ड्रोन तकनीक तेजी से विस्तार कर रही है और इसके साथ ही प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में ड्रोन टेक्नोलॉजी युवाओं के लिए सबसे आकर्षक कैरियर क्षेत्रों में से एक बन सकती है।

ड्रोन, जिसे अनमैन्ड एरियल व्हीकल (ड्ढ्ढ) कहा जाता है, ऐसा विमान है जिसे पायलट के बिना दूर से नियंत्रित किया जाता है या जो तय निर्देशों के अनुसार स्वतः उड़ान भर सकता है। ड्रोन के विकास के पीछे अनेक वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का लगभग एक शताब्दी लंबा शोध और तकनीकी विकास रहा है। साल 1918 में अमेरिका ने 'केटरिंग बग' नामक स्वचालित उड़ान यान बनाया, जिसे आधुनिक ड्रोन का प्रारंभिक स्वरूप माना जाता है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इनका उपयोग मुख्यतः सैन्य अभ्यास और निगरानी के लिए किया गया। बाद में कंप्यूटर, जीपीएस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर और कैमरा तकनीक के विकास ने ड्रोन को नई पहचान दी। आज छोटे कैमरा ड्रोन से लेकर सैकड़ों किलोग्राम भार उठाने वाले औद्योगिक ड्रोन तक विकसित हो चुके हैं।

भारत सरकार ने ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कृषि में ड्रोन से कीटनाशकों और उर्वरकों का छिड़काव किया जा रहा है। गांवों का डिजिटल सर्वेक्षण, रेलवे ट्रैक और बिजली लाइनों का निरीक्षण, पुलों और सड़कों की निगरानी, आपदा राहत तथा चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति जैसे कार्य अब ड्रोन से किए जा रहे हैं।'ड्रोन शक्ति' पहल और ड्रोन निर्माण प्रोत्साहन देने वाली नीतियों के कारण भारत वैश्विक ड्रोन उद्योग में पहचान बना रहा है।ड्रोन का उपयोग आज कृषि और स्मार्ट फार्मिंग,रक्षा एवं सीमा सुरक्षा,फिल्म एवं टीवी शूटिंग,पत्रकारिता और लाइव कवरेज,भूमि सर्वेक्षण एवं मैपिंग,निर्माण कार्यों की निगरानी,बिजली एवं तेल-गैस पाइपलाइन निरीक्षण,आपदा प्रबंधन और राहत कार्य,चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति,ई-कॉमर्स डिलीवरी,वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा खनन और पर्यावरण अध्ययन जैसे अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है।ड्रोन उद्योग के विस्तार के साथ प्रशिक्षित युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस क्षेत्र में ड्रोन पायलट,ड्रोन प्रशिक्षक,ड्रोन डिजाइन इंजीनियर,एयरोनॉटिकल इंजीनियर,इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर,ड्रोन सॉफ्टवेयर डेवलपर,एआई एवं ऑटोमेशन विशेषज्ञ,जीआईएस एवं मैपिंग विशेषज्ञ,सर्वे इंजीनियर,ड्रोन मेंटेनेंस इंजीनियर, ड्रोन डेटा विश्लेषक तथा कृषि ड्रोन विशेषज्ञ जैसे पदों पर रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

ड्रोन क्षेत्र में प्रवेश के लिए 12वीं (विज्ञान) के बाद विभिन्न डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस, एयरोस्पेस, रोबोटिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र विशेष रूप से उपयुक्त है।ड्रोन पायलट बनने के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होता है। इस क्षेत्र मे कैरियर बनाने के लिए युवाओं को सबसे पहले ड्रोन पायलट प्रशिक्षण,ड्रोन टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट,डिप्लोमा इन ड्रोन टेक्नोलॉजी,बी.टेक. (एयरोस्पेस),बी.टेक. (रोबोटिक्स),बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स), बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस) अथवा जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग में से अपनी रुचि के अनुसार उपयुक्त शैक्षणिक योग्यता हासिल करनी होगी।भारत में अनेक विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग संस्थान तथा डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) से अनुमोदित रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (ऋक्ष्ञ्जह्र) ड्रोन तकनीक एवं ड्रोन पायलट प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें प्रमुख हैं–इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (ढ्ढत्रक्र), फुरसतगंज, उत्तर प्रदेश, आईआईटी कानपुर, आईआईटी बॉम्बे , आईआईटी मद्रास , भारतीय विज्ञान संस्थान (ढ्ढढ्ढस्), बेंगलुरु ,बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (क्चढ्ढञ्जस्), पिलानी , भारतीय ड्रोन संस्थान (, नई दिल्ली , फॉर इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च (स्नढ्ढष्ठञ्जक्र), नई दिल्ली इनके अतिरिक्त देशभर में अनेक सरकारी एवं निजी संस्थान डीजीसीए से मान्यता प्राप्त ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश लेने से पहले संबंधित संस्थान की मान्यता, पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण सुविधाओं तथा प्लेसमेंट की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।प्रशिक्षित युवाओं के लिए ड्रोन निर्माण कंपनियों,कृषि तकनीकी कंपनियों,रक्षा क्षेत्र,सर्वे एवं मैपिंग कंपनियों,बिजली वितरण ,तेल एवं गैस उद्योग,मीडिया एवं फिल्म उद्योग,रियल एस्टेट,ई-कॉमर्स कंपनियों,सरकारी विभाग,आपदा प्रबंधन एजेंसियों में रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं।भारत में ड्रोन उद्योग तेज़ी से विकसित हो रहा है। अनेक कंपनियां ड्रोन निर्माण, सॉफ्टवेयर विकास, सर्वेक्षण, रक्षा, कृषि तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। प्रशिक्षित युवाओं के लिए कई कंपनियों में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं, मसलन- आइडिया फोर्ज टेक्नोल़ॉजी लिमिटेड (मुंबई) , गरुड एयरोस्पेस (चेन्नई), एस्टेरिया एयरोस्पेस (बेंगलुरु) , ड्रोन डेस्टिनेशन (नई दिल्ली), मारुत ड्रोन्स (हैदराबाद) , थ्रॉटल एयरोस्पेस (बेंगलुरु),आरव अनमैन्ड सिस्टम्स (बेंगलुरु)। अनेक स्टार्टअप और सरकारी परियोजनाएं भी ड्रोन तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों की नियुक्ति कर रही हैं। कृषि, ऊर्जा, रेल, सड़क निर्माण, खनन, वन, पुलिस, आपदा प्रबंधन तथा रक्षा क्षेत्र में ड्रोन विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है।

प्रारंभिक स्तर पर प्रशिक्षित ड्रोन पायलट को लगभग 3-6 लाख रुपये वार्षिक वेतन मिल सकता है। अनुभव बढ़ने पर यह 8-15 लाख या उससे अधिक भी हो सकता है। विशेषज्ञ इंजीनियर, डेटा विश्लेषक तथा ड्रोन परियोजना प्रबंधकों के लिए इससे भी अधिक अवसर उपलब्ध हैं। स्वयं का ड्रोन सर्विस स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं की आय कार्य के अनुसार कई गुना अधिक हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत में हजारों नए ड्रोन संचालित होंगे और इनके संचालन, रखरखाव, निर्माण तथा डेटा विश्लेषण के लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5जी संचार और स्वचालित प्रणालियों के विकास के साथ ड्रोन उद्योग नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

यह नीति दोहरी तिहरी ही नहीं बल्कि चौतरफा है

सुनिए! मनन के लिए शोर अच्छा है!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

किसी मंत्रालय में यदि गड़बड़ हो रही हो, किसी चुनाव में यदि खेल हो रहा हो, किसी समिति में भाई-भतीजावाद चल रहा हो, या किसी मंच पर सच का गला घोंटा जा रहा हो और आप में सोनम वंगचूक बनने कि चूल हो फिर भी आप चुप हैं, तो आप सम्मानित नागरिक नही हैं। लेकिन भूल से भी यदि आपने सवाल पूछ लिया, तो आप तुरंत नजर में आप जायेंगे। आजकल सच बोलने से पहले लोग यह नहीं सोचते कि बात सही है या गलत। वे यह सोचते हैं कि सामने वाला कितना ताकतवर है। यदि ताकतवर है तो सच भी झूठ बन जाता है और यदि कमजोर है तो झूठ भी अपराध बन जाता है। हमारे समाज में एक नया आदर्श वाक्य प्रचलित हो गया है, सब देखो, सब समझो, बस ब्राह्मणवाद हो बर्बाद का गाना गाओ, लेकिन वामपंथी आडंबर के विरोध में कुछ ना बोलो। बोलने से दिल्ली वाले रिश्ते खराब हो सकते हैं पर व्यूज बढ़ेंगे , कांग्रेस का निमंत्रण आ सकता हैं, व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़े जा सकते हैं पर सनातन के खिलाफ बोलना ही है सिर्फ इसलिये कि राहुल गाँधी इसे अपना गूंज समझ लेंगे।

इसलिए समझदार लोग आजकल अपनी अंतरात्मा को साइलेंट मोड पर रखकर जीवन जी रहे हैं। मजे की बात यह है कि हर व्यक्ति निजी बातचीत में क्रांतिकारी होता है। चार लोग मिल जाएँ तो व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ा देता है। लेकिन जैसे ही वही बात सार्वजनिक मंच पर कहने का अवसर आता है, उसकी क्रांति अचानक छुट्टी पर चली जाती है। सरकार ने जनता के जीवन से जुड़े हर मामलों में ऐसा टैक्स सिस्टम विकसित कर लिया है कि किसी बच्चे के गर्भ में पहले दिन अवतरित होने से लेकर उसके मरने के बाद तक के कार्यक्रम से सरकारी टैक्स की वसूली होती रहे। पहले सरकारें जनता से वसूले टैक्स पर इतना निर्भर नहीं हुआ करती थीं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम लगाकर उससे मुनाफा कमाती थीं, अपने खर्च निकालती थीं और इसी उद्देश्य से देश में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन आयल कारपोरेशन, भेल इत्यादि स्थापित की गयीं।

अपनी गड़ङ्कगड़ङ्कगड़ करती कार में गड़करी सुझावित पेट्रोल भी उसी कर की व्यवस्था है जिसमें वाहन लेते समय ही दो लाख का टैक्स फिर सड़क का अलग टैक्स, फिर टोल टैक्स फिर मेंटेनेंस टैक्स अर्थात एक ही उपक्रम के लिए पांच बार टैक्स उस पर भी सरकार का मन नहीं भरा तो और टैक्स दो पर मंत्री विधायक इससे मुक्त है क्यूंकि वो ही लोकतंत्र है। यह नीति दोहरी तिहरी ही नहीं बल्कि चौतरफा है । टैक्स का स्तर भी देखिए 1- केंद्र 2- राज्य 3- जिला स्तर 4- ग्रामीण स्तर फिर डायरेक्ट टैक्स और इनडायरेक्ट टैक्स मिलाकर भारत में एक ठीक-ठाक कमाने वाला नागरिक अपनी कुल कमाई का लगभग 70त्न सरकार को कर के रूप में दे देता है और व्यापारी अपनी कुल आय का 78त्न सरकार को दे देता है अर्थात व्यापारी साल में 9 महीने और वेतनभोगी साल में 7 महीने बेगारी करता है और ग़रीब से ग़रीब आदमी भी अपनी कमाई का कम से कम 35त्न तो कर सरकार को देता ही है। इसका कैलकुलेशन साफ़ है 30त्न

इनकमटैक्स+ बचे हिस्से के खर्च पर 18त्न जीएसटी वाहन के लिए तेल लिया तो उसपर 50त्न , इत्यादि इत्यादि खाया तो टैक्स दो, बैंक में जमा करो तो टैक्स दो। सभी को मिलाकर मोटा अनुमान लगाया जाए तो केंद्रीय सरकार की लगभग 70 प्रकार की वसूली और राज्य सरकारों की लगभग 60 प्रकार की वसूली, इसके साथ स्थानीय निकाय जैसे नगर निगम, नगर पालिका, पंचायत इत्यादि की कुल लगभग 50 प्रकार की वसूली मिला कर देश में जनता से लगभग 180 प्रकार के टैक्स, ड्यूटी, सेस, फीस और चार्ज विभिन्न स्तरों पर वसूले जाते हैं। यह टैक्स ही दरअसल धर्मेंद्र प्रधान और नितिन गडकरी सिस्टम हैं जो जनता के पैसे से बने मोडम बेचकर एकमुश्त रकम हथिया रहीं हैं और उसकी भरपाई जनता पर टैक्स लगाकर कर रहीं हैं। जिसमें ग़रीब से ग़रीब आदमी से भी किसी ना किसी रूप में उसकी कमाई का 35त्न और ठीकठाक कमाने वाले से 60त्न और व्यापारी से उसकी कमाई का 78त्न टैक्स वसूल लेती हैं।

आपको क्या करना है बस छुप के चुपरहना है । ऐसे ही भवन निर्माण में नक्शा पास करना भी सरकार की कमाई का जरिया है , नक्शे के लिए पहाड़ खोदने जैसी प्रक्रिया मेरी समझ से बाहर की है , हर कोई अपनी सुविधानुसार अपने मकान का निर्माण कराना चाहता है मगर सरकार वहां भी घुसी हुई है। सरकार इसके माध्यम से भी ना सिर्फ मोटी कमाई करती है , बल्कि इसके सहारे पूरी राजनीति करती है फिर भी नियमानुसार भवन निर्माण भले नक्शा स्विकृति कराकर नहीं बना तो, मौजूद संस्थाओं के अधिकारी के पास अधिकार है कि वह कंपाउंडिंग चार्ज़ लेकर उसे वैध घोषित कर दें , नियमानुसार कंपाउंडिंग सिर्फ वहां नहीं हो सकती जहां निर्माण सरकारी भूमि या सार्वजनिक भूमि पर हो।निर्माण सड़क, पार्क, नाला, तालाब, ग्रीन बेल्ट या अन्य सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर हो। निर्माण मास्टर प्लान के भूमि उपयोग के विपरीत हो। आवश्यक पार्किंग, कॉमन एरिया या अनिवार्य सुरक्षा प्रावधानों का गंभीर उल्लंघन है।ऐसा निर्माण जो भवन की संरचनात्मक या अग्नि सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो। फिर मोहम्मद अली जौहर युनिवर्सिटी के भवनों को कंपाउंडिंग चार्ज़ लेकर नियमित और वैधानिक क्यों नहीं किया गया यह लोग पूछ तो रहे पर चुपचाप !

जब सोच सकारात्मक हो तो बोलिये , नहीं तो नेता मंत्री के पास बहुत पावर होता है। सरकार में चुन चुन कर ऐसे मंत्री तैनात किए गए हैं जो एक एजेंडे को पूरा कर सकें। कहने का अर्थ यह है कि सरकार के 180 दांत है और इसी से वह किसी को भी चबा सकती है , युनिवर्सिटी तक को चबा रही है इसलिए चुप रहिए। कुछ लोग तो इतने अनुभवी हो चुके हैं कि अन्याय देखकर भी चेहरे पर मुस्कान बनाए रखते हैं। मानो कह रहे हों, हमें सब पता है, लेकिन हमें कुछ पता नहीं है। भीड़ भी बड़ी अद्भुत चीज है। भीड़ में खड़े होकर हर व्यक्ति खुद को सुरक्षित महसूस करता है। वहाँ किसी को सोचने की आवश्यकता नहीं होती। बस ताली बजाइए, सिर हिलाइए और घर जाइए। निर्णय कोई और करेगा, जिम्मेदारी कोई और उठाएगा और भविष्य की शिकायतें हम सब मिलकर करेंगे। फिर वर्षों बाद वही लोग बैठकर चर्चा करते हैं कि समाज आगे क्यों नहीं बढ़ रहा, योग्य लोग सामने क्यों नहीं आ रहे, और गलत लोग बार-बार सफल क्यों हो रहे हैं। उत्तर बहुत सरल है। क्योंकि गलत लोग सक्रिय हैं और सही लोग सुविधाजनक मौन में व्यस्त हैं।

इतिहास में कभी भी चुप रहने वालों की मूर्तियाँ नहीं लगीं। मूर्तियाँ उन्हीं की लगीं जिन्होंने सवाल पूछे, विरोध सहा, आलोचना झेली और फिर भी अपने विचारों पर डटे रहे। इसलिए यदि आप भी समाज में प्रतिष्ठित बने रहना चाहते हैं, तो कृपया इस ÷चुप्पी सम्मान योजना÷ का लाभ लेते रहिए। अन्याय देखिए, सिर हिलाइए, चाय पीजिए और घर जाइए। लेकिन यदि सचमुच बदलाव चाहिए, तो योजना से बाहर निकलना पड़ेगा। क्योंकि अब समय ऐसा आ गया है कि चुप्पी केवल कमजोरी नहीं, बल्कि कई बार अपराध की साझेदार बन जाती है और इतिहास गवाह है,समाज को नुकसान हमेशा बुरे लोगों ने नहीं , कई बार अच्छे लोगों की चुप्पी ने भी पहुँचाया है।

जन्मदिन की हार्दिक बधाई

कानपुर। नौबस्ता कार्यालय में बीपीएस न्यूज परिवार के सभी साथियों ने मिलकर एक साथ मो.अकील व संजय का मनाया जन्मदिन।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

कानपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा छापा: सीमेंट के रंग से 'लाल' किए जा रहे 5000 किलो से अधिक आलू जब्त

» 1,30,000 मूल्य का मिलावटी आलू और फर्श पर इस्तेमाल होने वाला 'सीमेंट कलर' बरामद

» जांच के लिए भेजे गए 4 सैंपल, विभाग सख्त कार्रवाई की तैयारी में

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी कानपुर नगर के कड़े दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आज खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिल्हौर तहसील क्षेत्र में स्थित अनुज कोल्ड स्टोरेज एवं एम्पा कोल्ड स्टोरेज पर अचानक छापेमारी की गई। इस कार्रवाई से इलाके के कोल्ड स्टोरेज संचालकों और मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया। सार्वजनिकस्वास्थ्य

छापेमारी के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने मौके पर आलू को कृत्रिम रूप से रंगते हुए रंगे हाथ पकड़ा। चौंकाने वाली बात यह है कि साधारण आलू को 'लाल आलू' (जो बाजार में महंगे दामों पर बिकता है) का रूप देने के लिए फर्श पर इस्तेमाल होने वाले 'सीमेंट कलर' का इस्तेमाल किया जा रहा था। यह सिंथेटिक रंग मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक और जानलेवा साबित हो सकता है।

सहायक आयुक्त (खाद्य) ने बताया÷ ÷मौके से लगभग 5000 किलोग्राम से अधिक वजन का कृत्रिम रूप से रंगा हुआ आलू जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1,30,000 आंकी गई है।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रंगे जा रहे आलू की पूरी खेप को अपने कब्जे में ले लिया है।÷

विभाग द्वारा मौके से रंगने वाले हानिकारक पदार्थ और रंगीन आलू के कुल 4 नमूने (सैंपल्स) संग्रहित कर राजकीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिए गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, लैब की रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सख्त चेतावनी दी है कि जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी मिलावटखोर को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की मुहिम: 41 सैंपलों की जांच में एक फेल, छात्रों व व्यापारियों को किया जागरूक

» बीपीएस न्यूज/विशेष संवाददाता

कानपुर। मिलावटखोरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की मोबाइल प्रयोगशाला ने उच्च प्राथमिक विद्यालय चकेरी और सनिगवा क्षेत्र में सघन जांच और जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान कुल 41 खाद्य पदार्थों के नमूनों की मौके पर ही जांच की गई, जिसमें से एक नमूना अधोमानक (फेल) पाया गया।

स्कूली बच्चों और शिक्षकों को सिखाए मिलावट पकड़ने के गुर

अभियान की शुरुआत उच्च प्राथमिक विद्यालय चकेरी से हुई। यहाँ एफ.एस. डब्लू. (फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स) प्रयोगशाला के माध्यम से बच्चों, अध्यापकों और कर्मचारियों को खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूक किया गया। बच्चे और शिक्षक अपने घरों से जो खाद्य पदार्थ लाए थे, उनकी लैब में लाइव जांच की गई। अधिकारियों ने बकायदा डेमोंसट्रेशन (प्रदर्शन) करके दिखाया कि रोजमर्रा के भोजन में मिलावट को कैसे पहचाना जाए। इस दौरान बच्चों और शिक्षकों द्वारा पूछे गए जिज्ञासापूर्ण सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया।

विद्यालय के अध्यापकों, कर्मचारियों और छात्रों समेत कुल 80 लोगों को जागरूक किया गया।

सनिगवा क्षेत्र में दुकानदारों और आम जनता को दी गई ट्रेनिंग

इसके बाद खाद्य सुरक्षा टीम ने सनिगवा क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी चौराहा, गुप्ता चौराहा एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर औचक जांच की। टीम ने विभिन्न दुकानों से खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर ऑन-द-स्पॉट टेस्ट किए। अभियान के तहत 10 खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता व नियमों के प्रति जागरूक किया गया, जबकि 4 बड़े कारोबारियों को सुरक्षित खाद्य प्रबंधन के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया।

इसके अलावा, बाजारों में आए लगभग 60 आम उपभोक्ताओं को भी जागरूक किया गया कि वे सामान खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें।

अधिकारियों की अपील: खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे जागरूक उपभोक्ता बनें

और किसी भी सामान को खरीदते समय उसकी एक्सपायरी डेट और गुणवत्ता की जांच जरूर करें। मिलावट की आशंका होने पर तुरंत विभाग को सूचित करें।

गंगा बैराज का डीएम ने किया निरीक्षण जलस्तर का लिया जायजा, गहरे पानी में स्नान न करने की अपील

» परमट घाट, अटल घाट, भैरव घाट समेत विभिन्न घाटों पर लगाए गए चेतावनी संकेतक

कानपुर। मानसून के मद्देनजर गंगा नदी के जलस्तर पर सतत निगरानी के क्रम में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को गंगा बैराज स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर जलस्तर एवं बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से दैनिक जलस्तर, संभावित परिस्थितियों तथा राहत एवं बचाव व्यवस्थाओं की जानकारी ली।जिलाधिकारी ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। फ्लड कंट्रोल कार्यालय के अनुसार बुधवार सुबह आठ बजे गंगा बैराज पर अपस्ट्रीम जलस्तर 112.500 मीटर तथा डाउनस्ट्रीम 111.900 मीटर दर्ज किया गया। बैराज से 88,557 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यहां चेतावनी स्तर 114.000 मीटर तथा खतरे का निशान 115.000 मीटर निर्धारित है। वर्तमान जलस्तर चेतावनी स्तर से 1.50 मीटर और खतरे के निशान से 2.50 मीटर नीचे है। वहीं शुक्लागंज गेज पर जलस्तर 110.510 मीटर दर्ज किया गया, जो वहां निर्धारित चेतावनी एवं खतरे के स्तर से काफी नीचे है। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति पूरी तरह सुरक्षित है और किसी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है।जिलाधिकारी ने बताया कि सभी उपजिलाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देश दिए गए हैं कि जहां लगातार वर्षा के कारण जलस्तर बढ़ा है, वहां चेतावनी संकेत अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। इसी क्रम में परमट घाट, भैरव घाट सहित बिल्हौर तहसील एवं सदर क्षेत्र के विभिन्न घाटों और जलभराव वाले स्थानों पर चेतावनी संकेतक लगाए गए हैं, ताकि लोग गहरे पानी वाले स्थानों की पहचान कर सकें और किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने आमजन से अपील की कि वर्षा ऋतु में गहरे पानी में स्नान न करें तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार किसी भी संभावित बाढ़ अथवा आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। राहत सामग्री, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है तथा राहत किट वितरण के लिए टेंडर प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है।निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह, तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी सहित बाढ़ नियंत्रण एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर लोगों को किया गया जागरूक

30 घरों एवं 162 जल-पात्रों का सर्वे, कहीं भी मच्छरों का लार्वा नहीं मिला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को महिपत नगर एवं डीटीसी कैण्ट क्षेत्र में सघन निरीक्षण एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत अपर निदेशक (स्वास्थ्य) मण्डल कानपुर डॉ. जी.के. मिश्रा तथा डिविजनल कंसल्टेंट डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने डीटीसी कैण्ट एवं महिपत नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उनके साथ अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वेक्टर बॉर्न डिजीज) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, मलेरिया निरीक्षक अमित धीमान एवं आनंद कुमार, आईएफडब्ल्यू अरविन्द कुमार, पाथ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत तथा प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डीटीसी कैण्ट डॉ. सुरेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान बीएचडब्ल्यू शैलेन्द्र बाजपेई एवं आशीष श्रीवास्तव तथा क्षेत्रीय आशा कार्यकर्ता सायरा बानो द्वारा संचालित दस्तक अभियान की गतिविधियों का सत्यापन किया गया। अधिकारियों ने घर-घर जाकर अभियान के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा लोगों से अभियान की जानकारी प्राप्त की।

टीम ने संचारी एवं वेक्टर जनित 12 प्रमुख रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए उनके लक्षण, बचाव एवं समय पर सरकारी अस्पताल में जांच एवं उपचार कराने की सलाह दी। भ्रमण के दौरान कुछ लोगों में खांसी एवं जुकाम जैसे लक्षण मिलने पर उन्हें तत्काल सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय निवासी गुलनाज के घर का निरीक्षण किया गया, जहां फ्रिज की ट्रे एवं अन्य स्थानों पर मच्छरों के लार्वा की जांच की गई। वहीं निवासी मोहम्मद नसीम के घर पर आशा कार्यकर्ता की गतिविधियों, आयुष्मान भारत कार्ड एवं आभा आईडी की प्रगति का भी सत्यापन किया गया। गुलनाज के परिवार से आयुष्मान कार्ड की पात्रता संबंधी जानकारी भी ली गई।

अभियान के दौरान आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा वितरित जागरूकता पर्चों का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ बैठक कर वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम में जनसहभागिता का आह्वान किया।

संयुक्त टीम ने क्षेत्र के 30 घरों का सर्वेक्षण किया, जिसमें कोई भी संदिग्ध रोगी नहीं मिला। साथ ही 162 जल-पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिनमें कहीं भी मच्छरों का लार्वा नहीं पाया गया। 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को भी संचारी रोगों एवं जलभराव से होने वाले मच्छरों के खतरे के बारे में जागरूक किया गया तथा ूचना सामग्री वितरित की गई।

अधिकारियों ने डीटीसी कैण्ट की फार्मेसी, प्रयोगशाला एवं कोल्ड चेन प्वाइंट का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि क्षेत्र में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई एवं माइक्रोप्लान के अनुसार स्वच्छता संबंधी कार्य नियमित रूप से कराए जा रहे हैं। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को पशु बाड़े आबादी से बाहर रखने तथा कृषि रक्षा विभाग द्वारा स्क्रब टाइफस जैसे रोगों के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन, ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे, नालियों में लार्वानाशक दवा का छिड़काव एवं एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण कराया गया। आमजन से अपील की गई कि घरों एवं आसपास जलभराव न होने दें, पानी एकत्र होने वाले स्थानों को नियमित रूप से साफ करें, आवश्यकतानुसार जले हुए मोबिल ऑयल अथवा केरोसीन ऑयल का प्रयोग करें, मच्छररोधी क्रीम का उपयोग करें तथा शरीर को पूरे कपड़ों से ढककर रखें।

संचारी रोगों से संबंधित सूचना एवं सहायता के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 0512-2526005 पर संपर्क किया जा सकता है। सूचना प्राप्त होने पर संबंधित क्षेत्र में तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मकान मालिक ने डायल 112 पर पुलिस को दी सूचना

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र के गीता नगर सर्वोदय नगर चौकी क्षेत्र में एक छात्रा ने गर्ल्स हॉस्टल के अपने कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस द्वारा जानकारी करने पर पता चला, कि शुभी गर्ल्स हॉस्टल गीता नगर में किराए में रहने वाली 19 वर्षीय लड़की पूर्वा सचान पुत्री राम सिंहासन सचान निवासी घाटमपुर फांसी लगा ली है। काकादेव पुलिस ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिजन घटना स्थल पर पहुंचे।

मौके पर उच्चाधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस फोर्स और फॉरेंसिक टीम मौजूद रही। वही इस आत्महत्या के सम्बंध में कारणों को जानने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से युवाओं के सपनों को मिलेगी नई उड़ान: सीडीओ

» आईएएस, पीसीएस, जेई, नीट एवं एसएससी की निःशुल्क कोचिंग के लिए शिक्षकों का चयन अंतिम चरण में

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत जनपद के प्रतिभाशाली युवाओं को उच्चस्तरीय एवं निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शिक्षकों के चयन हेतु साक्षात्कार संपन्न कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जैन की अध्यक्षता में आयोजित साक्षात्कार में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अभ्यर्थियों का मूल्यांकन किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उन्हें आईएएस, पीसीएस, जेई, नीट एवं एसएससी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चयन प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ शीघ्र संपन्न करते हुए कोचिंग कक्षाएं जल्द प्रारंभ कराई जाएं, ताकि विद्यार्थियों का बहुमूल्य समय व्यर्थ न हो।

साक्षात्कार के दौरान क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी बीरपाल भी उपस्थित रहे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। कुल 55 शिक्षकों के चयन के सापेक्ष 101 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 83 अभ्यर्थी साक्षात्कार में उपस्थित हुए, जबकि 18 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि जनपद में आईएएस एवं पीसीएस (सिविल सेवा) की निःशुल्क कोचिंग छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर परिसर में, नीट की कोचिंग राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, कल्याणपुर तथा एसएससी की कोचिंग डीबीएस डिग्री कॉलेज, कानपुर में संचालित की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से जनपद के अधिकाधिक छात्र-छात्राओं को अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने साथ-साथ जनपद का नाम भी रोशन करेंगे। चयन प्रक्रिया पूर्ण होते ही निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं शीघ्र प्रारंभ कर दी जाएंगी।

कबाड़ के गोदाम में लगी भीषण आग, इलाके में मची अफरा-तफरी

» जूही राखी मंडी में मची अफरा-तफरी, फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जूही थाना क्षेत्र के राखी मंडी स्थित एक कबाड़ के गोदाम में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों और पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक आग से गोदाम में रखा कबाड़ जलने के कारण लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। समय रहते आग पर काबू पा लेने से आसपास की दुकानों और मकानों तक लपटें फैलने से रोक लिया गया।

ग्राम सचिवालयों में मिलेंगी आधार अपडेट की सेवाएं, 50 पंचायत सहायक तैयार

जून में आधार से जुड़े 64,161 ट्रांजैक्शन, बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट में तेजी लाने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में आधार सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए जनपद के ग्राम सचिवालयों को आधार सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रथम चरण में 50 पंचायत सहायकों को आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अगले माह ऑनबोर्डिंग पूरी होने के बाद ग्राम सचिवालयों में आधार से संबंधित अधिकांश सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने लगेंगी।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सोमवार की देर सायं आयोजित जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक में इस व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीणों को आधार में संशोधन और बायोमेट्रिक अपडेट जैसे सामान्य कार्यों के लिए शहर या दूरस्थ केंद्रों तक न जाना पड़े, इसके लिए ग्राम सचिवालयों को चरणबद्ध रूप से आधार सेवाओं से जोड़ा जाए।

ग्राम सचिवालयों में आधार में नाम, पता, जन्मतिथि, लिंग और मोबाइल नंबर का संशोधन, फोटो एवं बायोमेट्रिक अपडेट, बच्चों का नया आधार नामांकन तथा अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट सहित आधार से जुड़ी अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हालांकि, 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का नया आधार नामांकन ग्राम सचिवालयों में नहीं किया जाएगा।बैठक में बताया गया कि जून माह में जनपद में आधार से जुड़े कुल 64,161 ट्रांजैक्शन किए गए। इनमें 54,105 आधार अपडेट और 10,056 नए आधार नामांकन शामिल हैं। जिलाधिकारी ने आधार सेवाओं की वर्तमान गति को बनाए रखते हुए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।बच्चों के आधार नामांकन एवं अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि समय पर अपडेट न होने से भविष्य में छात्रवृत्ति, प्रवेश, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। उन्होंने 0-5 वर्ष तथा 15-17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट अभियान चलाकर पूरा कराने के निर्देश दिए।

0-5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के आधार सैचुरेशन में तेजी लाने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को संयुक्त रूप से विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को विद्यालयों के माध्यम से लंबित एमबीयू-1 और एमबीयू-2 प्रकरणों की पहचान कर उनका निस्तारण कराने को कहा गया।

काला नमक बनाने वाली भट्टियों से निकलते जहरीले धुएं के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन

» भट्टियों को बंद कराने के लिए कानपुर डीएम को सौंपा ज्ञापन

» जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री से मिलकर मामले की करेंगे शिकायत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेन पश्चिमपारा क्षेत्र अंतर्गत इमलीपुर में काला नमक की भट्टियों से निकलने वाले जहरीले धुएं के खिलाफ स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। गुरुवार दोपहर दो बजे बड़ी संख्या में क्षेत्रीय निवासियों ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात कर भट्टियों के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

यश शुक्ला और विजय पाल ने आरोप लगाया कि इन भट्टियों में रबर, पुराने टायर और अन्य प्रतिबंधित सामग्री जलाकर काला नमक तैयार किया जा रहा है। इससे निकलने वाला काला और जहरीला धुआं पूरे इलाके में फैल रहा है, जिससे लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। इतना ही नहीं प्रदूषण के चलते रिश्तेदारों ने घर आना बंद कर दिया है। बच्चे बीमारी के डर के चलते बाहर नहीं निकल रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर छोटे-छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। जहरीले धुएं के कारण बच्चों में त्वचा संबंधी संक्रमण, एलर्जी और सांस की समस्याएं बढ़ रही हैं। वहीं, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को सांस लेने में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि लगभग छह महीने पहले प्रशासन ने जांच के बाद 15 दिनों के भीतर भट्टियां बंद कराने का आश्वासन दिया था। उस समय संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन अब तक न तो भट्टियां बंद हुईं और न ही जिम्मेदारों के खिलाफ कोई प्रभावी कदम उठाया गया है। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि प्रदूषण फैलाने वाली सभी भट्टियों की तत्काल जांच कर उन्हें बंद कराया जाए। साथ ही अवैध रूप से रबर और टायर जलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। क्षेत्रीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे सीधे मुख्यमंत्री से मिलकर पूरे मामले की शिकायत करेंगे।

शैवाल और इसके फायदे विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 37वीं वाहिनी पीएसी स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए 'स्पिरुलिना (शैवाल) और इसके फायदे' विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाहिनी के सेनानायक बी0 बी0 चौरसिया ने उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। भवन पटेल ने बताया कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी से कई गंभीर बीमारियां होती हैं। ऐसे में जिन स्थानों पर पर्याप्त पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं है, वहां स्पिरुलिना (शैवाल) का उपयोग कुपोषण को दूर करने में बेहद कारगर साबित हो सकता है। इसके अलावा, उन्होंने बच्चों को बताया कि भविष्य में स्पिरुलिना उत्पादन के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्रम के दौरान विजय कोठेकर ने बच्चों को एल्गी (शैवाल) कल्चर का लाइव प्रदर्शन कर दिखाया। उन्होंने स्पिरुलिना के उपयोग के सही तरीके और उससे शरीर को मिलने वाले चमत्कारी फायदों के बारे में आसान शब्दों में समझाया।

कार्यक्रम के अंत में, सेनानायक ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें इस सुपरफूड के प्रति जागरूक किया। इसके पश्चात, उन्होंने गुजरात से आए भवन पटेल और महाराष्ट्र से आए विजय कोठेकर को उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य मीनू शुक्ला, शिविरपाल चंदेश्वर, मीडिया सेल प्रभारी रामेंद्र सिंह, पीसी राहुल यादव सहित पुलिस मॉडर्न स्कूल के अध्यापक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संचारी रोगों एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत शामिल 12 प्रमुख रोगों की दी गयी जानकारी

घर-घर जाकर लोगों को किया गया जागरूक,25 घरों का सर्वे, 155 जल पात्रों की जांच में लार्वा नहीं मिला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी एवं जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने जनपदीय टीम के साथ डीटीसी अनवरगंज अंतर्गत यूपीएचसी बी.एन. भल्ला के सुख्वा पुरवा क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला मलेरिया अधिकारी के साथ सहायक मलेरिया अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा, मलेरिया निरीक्षक अमित धीमान, आईएफडब्ल्यू अरविन्द कुमार, पाथ संस्था के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकान्त सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। क्षेत्र में यूपीएचसी प्रभारी डॉ. शुभम यादव, मलेरिया निरीक्षक शुभम श्रीवास्तव एवं उनकी टीम, नगर निगम के सफाई नायक उमेश कुमार एवं उनकी टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राधा देवी तथा आशा कार्यकर्ता सुशीला भी उपस्थित रहीं।

अधिकारियों ने घर-घर जाकर अभियान के तहत संचालित गतिविधियों का सत्यापन किया तथा लोगों से संवाद कर संचारी रोगों एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत शामिल 12 प्रमुख रोगों की जानकारी दी। साथ ही इन रोगों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। क्षेत्र में खांसी एवं जुकाम जैसे लक्षण मिलने पर समय पर उपचार कराने तथा स्वास्थ्य संस्थान से संपर्क करने की सलाह भी दी गई।

भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय निवासी धीरज से आशा कार्यकर्ता की गतिविधियों, आभा आईडी एवं आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण की प्रगति की जानकारी ली गई। वहीं निवासी अनिल कुमार से बातचीत में पता चला कि उनके परिवार में पांच सदस्य हैं, लेकिन वर्तमान में आयुष्मान कार्ड के लिए पात्रता नहीं है।

निरीक्षण के दौरान आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा वितरित आईईसी सामग्री का भी अवलोकन किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी एवं टीम ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम को लेकर चर्चा की, जिसमें स्थानीय लोगों ने सक्रिय सहभागिता की।

संयुक्त टीम द्वारा 25 घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें कोई भी संदिग्ध या पॉजिटिव मामला नहीं मिला।

साथ ही 155 जल पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिनमें कहीं भी मच्छरों का लार्वा नहीं पाया गया।

इसके अलावा 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को संचारी रोगों से बचाव एवं स्वच्छता के संबंध में स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गई।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्षेत्र में नालियों की नियमित सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा माइक्रोप्लान के अनुरूप अभियान संचालित किया जा रहा है। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को पशुबाड़े आबादी से दूर रखने के लिए जागरूक किया गया।

सूकर पालकों को भी सूकर बाड़े आबादी से बाहर स्थापित करने की सलाह दी गई। वहीं कृषि रक्षा विभाग द्वारा चूहे एवं अन्य कृन्तकों से फैलने वाले स्क्रब टाइफस रोग के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। अभियान के तहत शहरी क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन,

इंडोर स्पेस स्प्रे, नालियों में लार्वानाशक दवा का छिड़काव तथा आवश्यकतानुसार अन्य निरोधात्मक गतिविधियां संचालित की गईं। लोगों से घर एवं आसपास जलभराव न होने देने, पानी के बर्तनों को ढंककर रखने, जमा पानी को हटाने, जलभराव वाले स्थानों पर जला हुआ मोबिल ऑयल अथवा केरोसीन ऑयल डालने, मच्छररोधी क्रीम का उपयोग करने तथा पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने की अपील की गई।

संचारी रोगों से संबंधित सूचना अथवा जानकारी के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त नगर निगम कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 0512-2526005 भी संचालित हैं। प्राप्त सूचना पर संबंधित क्षेत्र में तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने पनकी क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का किया खुलासा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस ने पनकी क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए मास्टरमाइंड समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने रतनपुर में इन्वर्टर-बैटरी दुकान में हुई सेंधमारी का भी खुलासा किया। बताया गया गैंग के मास्टरमाइंड के अलावा अनुज गौतम, सलमान अंसारी, जय सिंह समेत दो नाबालिग पकड़े गए।दुकान से चोरी किए गए सभी इन्वर्टर और बैटरियां पुलिस ने बरामद कीं। 14 जुलाई को दर्ज हुई थी चोरी की एफआईआर फरार चल रहे अन्य संदिग्धों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

ट्रांसपोर्टर ने लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर की आत्महत्या

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट के हनुमंत विहार थाना क्षेत्र स्थित वसंत विहार में एक ट्रांसपोर्टर ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक मौरंग मंडी से जुड़े ट्रांसपोर्ट कारोबार से संबंधित था।

बहन से छेड़छाड़ का विरोध बना मौत की वजह, भाई की सिर कुचलकर हत्या, रेलवे ट्रैक किनारे मिला शव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाबूपुरवा में बहन से अश्लील इशारे व छेड़खानी का विरोध करने पर शोहदे ने लोडर चालक का सिर कुचलकर हत्या कर दी। युवक गुरुवार सुबह घर से शौच के लिए निकला था, तभी आरोपी ने पीछा कर उसके सिर पर वजनी चीज से हमला कर दिया।

डिग्गी तालाब के पास रेलवे ट्रैक के किनारे युवक को लहुलूहान अवस्था में देखकर हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने उसे हैलट पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आरोपी कुछ दिन पहले ही छेड़खानी के मामले में जेल से छूटकर आया था। उसके बाद फिर युवक से उसका कई बार विवाद हुआ था। जूही के टुनटुनिया फाटक साईंपुरवा निवासी 23 वर्षीय साहिल लोडर चालक था। परिवार में पत्नी व दो बेटियां हैं। पल्लेदार पिता ने बताया कि इलाके का रहने वाला अरुण गुप्ता उनकी बेटी से करीब दो साल से छेड़खानी कर रहा था। बेटी के घर से बाहर निकलने पर अरुण उससे अश्लील इशारे करता। रास्ते में रोक लेता और अपशब्द कहता। बेटी की शिकायत पर अरुण के परिजनों से शिकायत की, लेकिन उसके घरवालों ने अभद्रता कर भगा दिया। परेशान होकर बेटी ने 18 जुलाई 2025 को आरोपी के खिलाफ जूही थाने में छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

परिजनों के अनुसार आरोपी मामले में जेल गया था। कुछ दिन बाद छूटकर बाहर आया और फिर बेटी से छेड़खानी करने लगा। जिसका बेटे ने कई बार विरोध किया। दोनों के बीच विवाद भी हुआ। पीड़िता बहन के अनुसार विवाद के दौरान अरुण ने भाई को धमकाया था। कहा था कि अब आरपार की लड़ाई होगी। तुझे छोड़ेंगे नहीं। घरवालों ने बताया कि गुरुवार सुबह साहिल शौच के लिए डिग्गी तालाब के पास गया था। उसके बाद नहीं लौटा। दो घंटे बाद करीब 11 बजे रेलवे ट्रैक के किनारे वह लहुलूहान अवस्था में मिला। राहगीरों व इलाकाई लोगों ने इसकी जानकारी बाबूपुरवा पुलिस को दी।

पुलिस ने उसे हैलट में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाबूपुरवा थाना प्रभारी नीरज ओझा ने बताया कि लोडर चालक का सिर व चेहरे पर किसी वजनी चीज से प्रहार किया है। सिर व चेहरा कुचलकर हत्या की गई है।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, आरोपी अरेस्ट डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि टीपी नगर स्थित रेलवे कॉलोनी के समीप रेलवे यार्ड में युवक का शव मिला था। सूचना पर फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। जांच में सामने आया कि आरोपी अरुण ने साहिल के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर हत्या की है। आरोपी को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। परिजनों की तहरीर पर हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

13 साइबर अपराधी गिरफ्तार 2 करोड़ की साइबर ठगी का हुआ खुलासा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने साइबर अपराध के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त अश्लील वीडियो प्रकरण में फंसाने तथा पुलिस अधिकारी बनकर धमकाने के माध्यम से लोगों से धनराशि की ठगी करते थे।कार्रवाई के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से 29 मोबाइल फोन, 3 कारें तथा अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। जांच में 48 ढ्ढस्श्चढ्ढ एवं 68 मोबाइल नंबर सक्रिय पाए गए हैं। साथ ही हृष्टक्रक्क पोर्टल पर दर्ज 189 साइबर शिकायतों में 60 शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नंबर इस गिरोह से जुड़े पाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के नागरिकों को इस गिरोह द्वारा ठगी का शिकार बनाया जाना प्रकाश में आया है।अब तक लगभग ?2 करोड़ की साइबर ठगी का अनुमान है। अभियुक्त बैंक खातों एवं क्क्ढ्ढ के माध्यम से धनराशि प्राप्त करते थे। जांच के दौरान व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड एवं अन्य डिजिटल साक्ष्य भी बरामद हुए हैं।

खड़े ट्रक में घुसी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो 3 की हुई मौत, 9 हुए घायल, ट्रक चालक वाहन छोड़ हुआ फरार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के रूमा के पास सोमवार सुबह करीब 6 बजे नेशनल हाईवे पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हरियाणा के सिरसा से बिहार जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में एक युवक, एक किशोर और एक किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पहले कांशीराम अस्पताल और फिर गंभीर हालत में हैलट अस्पताल रेफर किया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए घायलों के बेहतर इलाज और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा कानपुर, 275वीं ऐतिहासिक रथयात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भगवान जगन्नाथ की भक्ति में गुरुवार को पूरा कानपुर सराबोर नजर आया। जनरलगंज स्थित ऐतिहासिक बाईजी मंदिर से 275वीं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा पूरे धार्मिक उल्लास, वैदिक मंत्रोच्चार और भव्यता के साथ निकाली गई। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले तो श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। पूरे मार्ग पर जय जगन्नाथ के जयघोष गूंजते रहे।

सुबह मंगला आरती, शाम को निकली भव्य रथयात्रा

सुबह छह बजे मंदिर के पट खुलने के साथ भगवान का अभिषेक, मंगला आरती और विशेष भोग लगाया गया। दोपहर की आरती के बाद तीन बजे मंदिर के पट बंद कर दिए गए। शाम को विशेष श्रृंगार और महाआरती के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को रथ पर विराजमान कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के जयकारों के बीच ऐतिहासिक रथयात्रा का शुभारंभ हुआ।

35 झांकियां और 18 मंडलों ने बढ़ाई शोभा रथयात्रा में 18 सामाजिक एवं धार्मिक मंडलों ने हिस्सा लिया। भगवान के विभिन्न स्वरूपों पर आधारित 35 आकर्षक झांकियां, ध्वज-पताकाएं, बैंड-बाजे, पारंपरिक वाद्ययंत्र और बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने आरती उतारकर प्रसाद वितरण किया।रथयात्रा जनरलगंज से शुरू होकर काहकोटी, नयागंज, हूलागंज, भूमाटोली, बर्तन बाजार, नागेश्वर मंदिर, सराफा बाजार, भनीराम बगिया, मूलगंज, चौक सर्राफा और प्रयाग नारायण शिवाला होते हुए सरसैया घाट पहुंची। यहां गंगा आरती और पूजन के बाद रथ चटाई मोहाल, कमला टावर, सिरकी मोहाल और लाठी मोहाल से होकर पुनः बाईजी मंदिर पहुंचा।

व्यवस्थाओं में जुटी रही समिति, सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

रथयात्रा के सफल आयोजन के लिए समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, महामंत्री विवेक अग्निहोत्री, कोषाध्यक्ष निशांत शर्मा, उपाध्यक्ष कृष्ण गुप्ता, प्रचार मंत्री शिवम ओमर सहित सभी पदाधिकारी पूरे समय व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

घायलों का हाल जानने के लिए हैलेट अस्पताल पहुंचे कानपुर जिलाधिकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नेशनल हाईवे पर हुई दुखद सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों का हालचाल जानने हेतु जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह हैलेट अस्पताल पहुँचे। अस्पताल पहुँचकर उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा चिकित्सकों को सभी घायलों का बेहतर एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पीड़ित परिजनों को हर संभव प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया।

बाबा बागेश्वर के भाई शालिग्राम को पुलिस ने किया गिरफ्तार किसान पर गोली चलाने का है आरोप

» बीपीएस न्यूज

छतरपुर। राजनगर थाना क्षेत्र में गौशाला के पीछे स्थित जमीन को लेकर हुए विवाद के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग और अंकित मिश्रा शामिल हैं। मामले में एक नामजद आरोपी समेत एक अन्य आरोपी अब भी फरार है।

दरअसल, छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कोड़ा में मंगलवार को फायरिंग का मामला सामने आया। पीड़ित किसान मोतीलाल कुशवाहा ने आरोप लगाया कि बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग ने उन्हें गोली मारी। घायल किसान का दावा है कि क्षेत्र के किसानों पर जमीन बेचने का दबाव बनाया जा रहा है। उनका आरोप है कि जो किसान जमीन बेचने

से इनकार करते हैं, उन्हें धमकाया और मारपीट की जाती है। मोतीलाल कुशवाहा के अनुसार, इसी विवाद के दौरान उन पर गोली चलाई गई, जिससे वे घायल हो गए।

क्या कहा बाबा बागेश्वर ने?-पूरे मामले को लेकर बाबा बागेश्वर ने कहा कि शालिग्राम से उनका कोई लेना-देना नहीं है और यह बात वे तीन साल पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने अपील की कि हर घटना में उनका नाम नहीं जोड़ा जाए। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उनका परिवार केवल जैविक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरा समाज और पूरा विश्व ही उनका परिवार है। वे समाज, राष्ट्र और सनातन धर्म के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि छतरपुर जिला और उनका परिवार बहुत बड़ा है, इसलिए कहीं न कहीं घटनाएं होती रहती हैं। ऐसे मामलों को व्यक्तिगत रूप से उनसे जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस किसी ने भी अपराध किया है, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ÷जो दोषी है, उसे कानून कठोर से कठोर दंड दे और भगवान भी उसे दंड दें।÷ उन्होंने कहा कि उन्हें पूरे मामले की विस्तृत जानकारी नहीं है, इसलिए वे तथ्यों पर टिप्पणी नहीं करेंगे।

जगन्नाथ रथ यात्रा में भगदड़

श्रद्धालु की मौत पुलिस की फुर्ती से बची दर्जनों की जान

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली । पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दिन हजारों-लाखों लोगों की भीड़ आने से भगदड़ की स्थिति बन गई है। गर्मी और उमस के बीच हजारों की भीड़ में दबकर एक श्रद्धालु की मौत हो गई है। पुलिस ने भी फुर्ती दिखाते हुए दर्जनों भक्तों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया है। ओडिशा पुलिस ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेट फार्म पर भी साझा की है। फिलहाल भक्तों की भारी भीड़ अपने प्रिय भगवान के साथ चल रही है। दूसरी तरफ अस्पतालों में घायलों का इलाज जारी है।बता दें, दुनिया भर में अपने विराट रूप के लिए प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा गुरुवार से शुरू हो गई है। इस यात्रा में दुनियाभर से लाखों लोग अपने प्रिय भगवान के दर्शन करने के लिए आते हैं। इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अपने मंदिर से निकलती हैं। घंटे, शंख और तमाम तरह के साजो सामान के साथ यात्रा करती हैं। इसके बाद विधिवत रूप से यह यात्रा संपन्न होती है।

रथ यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी और शुभेंदु अधिकारी ने दी शुभकामनाएं, सुख-समृद्धि की कामना की

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथ यात्रा के शुभ अवसर पर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भगवान जगन्नाथ से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए रथ यात्रा को आस्था, एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि रथ यात्रा के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। यह भारत की सदियों पुरानी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की एक शानदार अभिव्यक्ति है। रथ यात्रा से जुड़ी परंपराओं ने भारत और दुनिया भर में कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। ये परंपराएं विनम्रता, सामूहिक भागीदारी और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री ने महाप्रभु जगन्नाथ से सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि वे हमें हमारे सभी प्रयासों के लिए शक्ति प्रदान करें और हमारे समाज में एकजुटता की भावना को और मजबूत करें।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने एक्स पर भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा को नमन करते हुए कहा कि प्रभु की कृपा से सभी का जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो। उन्होंने देश, समाज और समस्त मानवता के कल्याण की कामना करते हुए सभी को रथयात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और जय जगन्नाथ का उद्घोष किया।उधर, रथयात्रा के अवसर पर भाजपा नेता दिलीप घोष अपनी मां और पत्नी के साथ नदिया जिले के मायापुर स्थित इस्कॉन मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने मायापुर चंद्रोदय मंदिर में भगवान की आरती की, गोपूजन और गोसेवा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने हाथों से गायों को चारा खिलाया, उनके चरण धोए और यज्ञ में भी भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस्कॉन जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की रथयात्रा में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई।

न्यूजीलैंड में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी

» बीपीएस न्यूज

वेलिंगटन।न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप (साउथ आइलैंड) के पश्चिमी तट पर गुरुवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद अधिकारियों ने सुनामी का अलर्ट जारी करते हुए लोगों से तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र ते अनाउ शहर से करीब 42 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम में था। भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर के आसपास दर्ज किया गया। इसकी गहराई करीब 76.4 किलोमीटर थी।

न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोग बिना देरी किए सुनामी निकासी क्षेत्र से बाहर निकलें और नजदीकी ऊंचे स्थान या जितना संभव हो सके, अंदरूनी इलाके की ओर चले जाएं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है।

न्यूजीलैंड के नागरिक सुरक्षा विभाग ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, फियोर्डलैंड के पास रात 9 बजकर 14 मिनट पर आए 5.9 तीव्रता के भूकंप के बाद न्यूजीलैंड के तटीय इलाकों में तेज और असामान्य समुद्री लहरें तथा तट पर अचानक पानी बढ़ने जैसी स्थिति देखने को मिल सकती है

विभाग ने कहा कि तेज समुद्री लहरें और अचानक उठने वाली लहरें लोगों को घायल कर सकती हैं और डुबो सकती हैं। तट के पास पानी में मौजूद तैराकों, सर्फिंग करने वालों, मछुआरों और अन्य लोगों के लिए खतरा हो सकता है। विभाग ने प्रभावित इलाकों में समुद्र के अंदर या उसके पास मौजूद लोगों से पानी से बाहर निकलने, समुद्र तट और किनारे वाले इलाकों से दूर जाने तथा बंदरगाहों, नाव खड़े करने वाली जगहों, नदियों और नदी मुहानों से दूर जाने की अपील की।

नागरिक सुरक्षा विभाग ने सलाह जारी करते हुए कहा, नावों में मौजूद लोग, नाव पर रहने वाले लोग और नाव खड़े करने वाली जगहों पर मौजूद लोगों को अपनी नावों या जहाजों को छोड़कर किनारे पर चले जाना चाहिए। अधिकारियों के निर्देश के बिना वापस नावों पर न जाएं।

नीट अभ्यर्थी ने दी जान, अंक कम आने पर छात्रा ने टावर से लगाई छलांग

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद जिले के भूपानी थाना क्षेत्र के सेक्टर-87 की एसआरएस रॉयल हिल्स सोसाइटी में बृहस्पतिवार को एक 20 वर्षीय छात्रा ने ए2 की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही भूपानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर बीके अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान 20 वर्षीय दानविटा के रूप में हुई है, जो अपने परिवार के साथ सेक्टर-88 स्थित एसआरएस रॉयल हिल्स में रहती थी। बृहस्पतिवार सुबह करीब 11ः30 बजे से 12 बजे के बीच उसने छत से छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।प्रारंभिक जांच में परिजनों ने पुलिस को बताया कि दानविटा ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी, लेकिन दो दिन पहले नीट की अंसर शीट ऑनलाइन हुई। जब उसने चेक किया तो उसकी इच्छा के अनुरूप अंक नहीं मिले थे। इसी बात को लेकर वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थी। परिजनों के अनुसार इसी तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया।जानकारी के अनुसार, परिवार मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा का रहने वाला है और पिछले काफी समय से किराए पर फरीदाबाद में रह रहा है। मृतका के पिता कटेश्वर जेसीबी कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत हैं।

घटना के समय उसकी मां विजयवाड़ा

केंद्र पर भड़के केजरीवाल

धर्मेंद्र प्रधान का मांगा इस्तीफा, बोले- सोनम वांगचुक को बनाएं देश का शिक्षा मंत्री

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक विवाद को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। जंतर-मंतर पर युवाओं के नेतृत्व में चल रहे विरोध प्रदर्शन और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन को अपना समर्थन देते हुए केजरीवाल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर दी है।

केंद्र को केजरीवाल की चेतावनी

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि युवाओं की आवाज, इस आंदोलन और सोनम वांगचुक की बात को सुनिए, वरना तीन साल बाद (आगामी चुनावों में) केंद्र सरकार का वही हश्र होगा जो 2014 में तत्कालीन सरकार का हुआ था।

पीएम मोदी को दिया अनोखा प्रस्ताव

शिक्षा क्षेत्र में जवाबदेही तय करने की मांग उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कैबिनेट में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा। केजरीवाल ने कहा कि मेरा प्रधानमंत्री को एक सुझाव और

प्रस्ताव है कि धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से हटाया जाना चाहिए और पीएम को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को देश का नया केंद्रीय शिक्षा मंत्री बनाना चाहिए।

सोनम वांगचुक के अनशन का 19वां दिन

यह पूरा विवाद 2026 की नीट-यूजी परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक के आरोपों से जुड़ा है। लद्दाख के प्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक इसी मुद्दे को लेकर जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। गुरुवार को उनके इस आमरण अनशन का 19वां दिन था। वांगचुक की मुख्य मांग शिक्षा मंत्री का इस्तीफा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाना है।

वांगचुक की सेहत की रोजाना हो क्लीनिकल मॉनिटरिंग

सोनम वांगचुक के लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई थी, जिस पर गुरुवार को अदालत ने बड़ा आदेश जारी किया।

अदालत की टिप्पणी- चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की खंडपीठ ने कहा कि हर नागरिक का जीवन अनमोल है और सरकार को इसे बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए।हाईकोर्ट का निर्देश- कोर्ट ने आदेश दिया है कि जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल के दौरान सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की रोजाना क्लीनिकल मॉनिटरिंग (जांच) की जाए। अगर सरकारी डॉक्टरों की राय में किसी भी तरह के मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत होती है, तो बिना किसी देरी के उन्हें तुरंत चिकित्सा सुविधा दी जाए।

केंद्र सरकार ने कोर्ट को दिया भरोसा

सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि सरकारी डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम पहले से ही रोजाना वांगचुक के स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। उन्होंने बेंच को भरोसा दिलाया कि यदि जरूरत पड़ी तो डॉक्टरों की एक और अतिरिक्त टीम भी तैनात की जा सकती है। कोर्ट ने सरकार के इस आश्वासन के बाद राकेश कुमार साहनी द्वारा दायर की गई ।

अभिनेत्री शेफाली बग्गा पर प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा; मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय शेफाली बग्गा से छत्तीसगढ़ के रायपुर में पूछताछ कर रहा है। यह पूछताछ उनसे मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में हो रही है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अधिकारियों के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय मनी लॉन्ड्रिंग मामले के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के रायपुर में टेलीविजन होस्ट शेफाली बग्गा से पूछताछ कर रहा है।शेफाली बग्गा को चर्चित महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने अपने रायपुर स्थित कार्यालय तलब किया। ईडी के ऑफिस पहुंचीं शेफाली से कई सवाल पूछे गए और उनके बयान दर्ज किए गए। शेफाली चर्चित टीवी होस्ट हैं। साथ ही उनके म्यूजिक वीडियो भी आ चुके हैं। इसके अलावा वे चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 13 का हिस्सा भी रही हैं।

एक अधिकारी के मुताबिक, एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट रायपुर जोनल ऑफिस में टेलीविजन होस्ट शेफाली बग्गा से महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप मामले में पूछताछ कर रही है। शेफाली बग्गा, खंजन जगदीश कुमार ठक्कर की करीबी सहयोगी हैं, जो भारत में बेटिंग एप चलाते और प्रमोट करते हैं।

वह उन बेटिंग एप्स का चेहरा भी बन गई हैं, जो दुबई और लंदन जैसे विदेशी शहरों से चलाए जा रहे हैं। इस मामले में ऐसे सबूत और प्रमोशनल पेज मिले हैं, जिनमें शेफाली न सिर्फ बेटिंग एप को प्रमोट कर रही हैं, बल्कि खिलाड़ियों को टिप्स भी दे रही हैं।

कांग्रेस ने शुरू की विधानसभा चुनाव की तैयारियां, टिकट बांटने में पार्टी अपनाएगी रणनीति

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। विधानसभा चुनाव 2027 में कांग्रेस महिलाओं को तवज्जो देगी। सियासी मैदान में सक्रिय भूमिका निभाने वाली महिलाओं को मौका दिया जाएगा। इसके लिए रणनीति बननी शुरू हो गई है। जल्द ही उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग भी शुरू की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस प्रदेश राजेंद्र पाल गौतम एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी शुरू कर दिए है। इसके तहत बुधवार और बृहस्पितवार को प्रदेश मुख्यलाय में ताबड़तोड़ बैंठकें हुईं। विधानसभा क्षेत्रवार अब तक की गई तैयारी का जायजा लिया या। पूर्व उम्मीदवारों और विभिन्न विभागों एवं फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। संगठनात्मक तैयारी की समीक्षा की गई। देर शाम वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ बैठक हुई। इसमें विधानसभा चुनाव के बाद अब तक क्षेत्र में चली गतिविधियों के बारे में जानकरी ली गई।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बार हर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवारों के पैनल में कम से कम एक महिला को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा।

करीब 35 फीसदी सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारा जाएगा। इसी को ध्यान में रखते हुए बृहस्पतिवार को महिला उम्मीदवारों से उनके चुनाव से जुड़े अनुभव जाने गए। प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि जल्द ही उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग की जाएगी। यह स्क्रीनिंग कई आधारों पर की जाएगी, जिनमें उनकी विश्वसनीयता, सामाजिक पकड़ और ज़मीनी स्तर पर किया गया काम शामिल है।

सपा से गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि गठबंधन में हमने सम्मान और बराबरी की मांग की है, जिस पर शीर्ष नेतृत्व के बीच चर्चा होगी। अभी ध्यान इस बात पर भी है कि सरकार के इशारे पर समाज में फैलाई गई गलतफहमियों को दूर किया जाए और पार्टी के विज़न को आम लोगों तक पहुँचाया जाए।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी सर्व समाज को एकजुट करने में जुटी है। जल्द ही विधानसभा क्षेत्र और बूथवार कमेटियों की समीक्षा की जाएगी। हर बूथ कमेटी की प्रदेश मुख्यालय से भी निगरानी की जाएगी।

परिसीमन विधेयक: खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की

मानसून सत्र में नया विधेयक लाने की तैयारी, 2029 के चुनावों से लागू करने की योजना

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सरकार परिसीमन से जुड़े एक नए संविधान संशोधन विधेयक को दोबारा पेश करने की योजना बना रही है। खरगे ने प्रधानमंत्री से इस संशोधित प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया है। उन्होंने मांग की है कि संसद में इस विधेयक को पेश करने से पहले सभी विपक्षी दलों को इसके अध्ययन के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।

खरगे ने अपने पत्र में बताया कि उन्होंने मार्च और अप्रैल के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को भी पत्र लिखे थे। उन्होंने केंद्र सरकार से परिसीमन से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। हालांकि, सरकार ने इन अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा था। यह विधेयक स्पष्ट अंतर से गिर गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में संशोधित (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को दोबारा पेश करने की तैयारी कर रही है। सरकार महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू करने के लिए इस विधेयक को पास कराना चाहती है। मौजूदा कानून के तहत महिला आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो सकता, क्योंकि यह प्रक्रिया 2027 की जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन से जुड़ी है।

सरकार चाहती है कि महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से ही लागू कर दिया जाए। इसके लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम यानी महिला आरक्षण कानून में बदलाव की जरूरत है। सरकार की योजना के अनुसार, आखिरी बार प्रकाशित जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाएगा। इसके बाद 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला कोटा लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 की जाएगी।जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होने से दक्षिणी राज्यों को डर है कि लोकसभा में उनकी राजनीतिक ताकत कम हो जाएगी।

40 में से 38 भवन अवैध घोषित जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचीं आजम खां की पत्नी, पुलिस देख चढ़ा पारा,सबको बाहर निकाला

» बीपीएस न्यूज

रामपुर।आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा ने कहा कि संस्थान को 15 दिन का समय दिया गया है और प्रबंधन कानूनी सलाह लेकर अपना पक्ष रखेगा। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में बैठे पुलिसकर्मियों को बाहर करवा दिया। उन्हें कहा कि हमारे पास कोर्ट का आदेश है और इस तरह प्रशासन और पुलिस विश्वविद्यालय परिसर में नहीं बैठ सकते हैं।

समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खां के ड्रीम प्रोजेक्ट मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के उपाध्यक्ष एवं डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय परिसर में बने 40 में से 38 भवनों को बिना नक्शा पास कराए निर्मित मानते हुए उन्हें अवैध घोषित कर दिया है। प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को 20 दिन के भीतर इन भवनों को स्वयं हटाने का आदेश दिया है। ऐसा नहीं करने पर आरडीए की ओर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

इसी बीच, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने विश्वविद्यालय परिसर से होकर गुजरने वाली तीन किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क को सार्वजनिक मार्ग घोषित करते हुए मुख्य गेट पर बोर्ड लगा दिए हैं। उधर, आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा ने कहा कि संस्थान को 15 दिन का समय दिया गया है और प्रबंधन कानूनी सलाह लेकर अपना पक्ष रखेगा। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में बैठे पुलिसकर्मियों को बाहर करवा दिया। उन्हें कहा कि हमारे पास कोर्ट का आदेश है और इस तरह प्रशासन और पुलिस विश्वविद्यालय परिसर में नहीं बैठ सकते हैं।

मंदिरों के नगर में कला और अध्यात्म की अद्भुत विरासत

पालीताणा, गुजरात का एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो शत्रुंजय पर्वत पर स्थित है। यहां 900 से अधिक मंदिर हैं, जो जैन धर्म की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और अद्भुत शिल्पकला को दर्शाते हैं। यह तीर्थ स्थल भक्ति,कलात्मक श्रेष्ठता व अहिंसा के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है।

भक्ति, कला और अहिंसा के वातावरण का अद्भुत संगम है गुजरात के भावनगर जिले में स्थित पालीताणा शहर। यह मात्र एक शहर नहीं, बल्कि आस्था का वह स्थल है जहां पहुंचकर हर श्रद्धालु स्वयं को परमात्मा के निकट पाता है। पालीताणा केवल पत्थरों की नक्काशी नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं का जीवंत दस्तावेज है। इसकी आध्यात्मिक ऊर्जा और शांत वातावरण हर आगंतुक को अंतर्मन की यात्रा पर ले जाता है। यह वह स्थान है जहां धर्म, कला और प्रकृति एक साथ मिलकर मानव को उच्चतर चेतना का अनुभव कराते हैं।

शत्रुंजय नदी के तट पर और शत्रुंजय पर्वत की गोद में बसा यह तीर्थ 'मंदिरों के नगर' के रूप में विश्वविख्यात है। यहां की प्रत्येक शिला और हर मंदिर जैन धर्म की गौरवशाली सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत की कहानी कहता है।जैन धर्म का पालन करने वाले श्रद्धालुओं के हृदय में पालीताणा का महत्वपूर्ण स्थान है। मान्यता है कि जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से 23 ने इस पर्वत को अपनी उपस्थिति से पवित्र किया था। प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) ने यहां अनंत बार विचरण किया और उनके प्रथम उपदेश की गूंज आज भी इन पहाड़ियों में महसूस की जा सकती है। यह 'शाश्वत तीर्थ' माना जाता है, जहां से अनगिनत आत्माओं के लिए मोक्ष की राह प्रशस्त हुई। प्रत्येक जैन श्रद्धालु का स्वप्न होता है कि वह जीवन में कम से कम एक बार यहां 3,500 से अधिक सीढ़ियों को चढ़कर भगवान के दर्शन करे।

शत्रुंजय पर्वत पर लगभग 900 मंदिर स्थित हैं, जिनमें 17,000 से अधिक प्रभु प्रतिमाएं प्रतिष्ठित हैं। ये मंदिर संगमरमर की नक्काशी का ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जिसकी तुलना विश्व में अन्यत्र दुर्लभ है।

आदिश्वर मंदिर – आदिश्वर मंदिर इस पर्वत का सबसे भव्य और मुख्य मंदिर है, जो सर्वोच्च चोटी पर स्थित है। माना जाता है कि इस स्थान पर भगवान आदिनाथ ने ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान आदिनाथ या ऋषभदेव जी की स्वर्णमयी प्रतिमा और मंदिर की सूक्ष्म नक्काशी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

भगवान आदिनाथ या ऋषभदेव जैन धर्म के वर्तमान अवसर्पिणी काल (समय चक्र) के प्रथम तीर्थंकर हैं। उन्हें 'ऋषभदेव' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनकी माता मरुदेवी ने जन्म से पहले 'वृषभ' (बैल) का सपना देखा था। वे पहले तीर्थंकर हैं, इसलिए उन्हें 'आदिनाथ' (आदि अर्थात् प्रथम नाथ यानी भगवान) कहा जाता है। उनका जन्म अयोध्या नगरी में चैत्र कृष्ण नवमी को नाभिराज (पिता) और मरुदेवी (माता) के घर हुआ था। वे सभ्यता के प्रवर्तक माने जाते हैं। उन्होंने ही लोगों को असि (तलवार), मसि (लिखना), कृषि (खेती), विद्या, वाणिज्य (व्यापार) और शिल्प (कला) की शिक्षा दी थी।

चौमुख मंदिर – चौमुख मंदिर का निर्माण 1618 में हुआ था। यह विशाल मंदिर चार मुखों वाला है, जहां से भगवान के दर्शन चारों दिशाओं में होते हैं। इसलिए इसे चौमुख मंदिर कहते हैं।

मुख्य मंदिर समूह (टूंक)

शत्रुंजय पर्वत पर मंदिरों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित किया गया है, जिन्हें टूंक कहा जाता है। यहां स्थित कुमारपाल टूंक सबसे प्राचीन और प्रमुख टूकों में से एक है। विमलशाह टूंक में भी भव्य मंदिर और नक्काशीदार मूर्तियां हैं। साथ ही यहां विभिन्न तीर्थंकरों को समर्पित 9 मुख्य टूंकों में से प्रत्येक का अपना ऐतिहासिक और महत्व है।

अन्य महत्वपूर्ण मंदिर

पुंडरीक स्वामी का मंदिर - यह भगवान आदिनाथ के प्रमुख शिष्य पुंडरीक स्वामी को समर्पित है, जिन्होंने इसी पर्वत से मोक्ष (जैन मत अनुसार) प्राप्त किया था।

अष्टपद मंदिर -यह मंदिर अष्टपद (जहां आदिनाथ मोक्ष हेतु गए) का प्रतीक माना जाता है।

रायण वृक्ष - भगवान आदिनाथ ने इस पवित्र वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। इस स्थान पर जाने वाले भक्त यहां अवश्य रुकते हैं।

भरत चक्रवर्ती का मंदिर – यह मंदिर राजा भरत (आदिनाथ के पुत्र) से संबंधित है, जिन्होंने सबसे पहला जिनालय बनवाया था।

मंदिरों के नियम-मान्यता है कि सूर्यास्त के बाद पर्वत पर केवल देवताओं का वास होता है, इसलिए रात में किसी भी मनुष्य (यहां तक कि पुजारियों को भी) को ऊपर रुकने की अनुमति नहीं है। श्रद्धालु खाली पेट और मौन रहकर सीढ़ियां चढ़ते हैं, जिसे भक्ति की एक कठिन तपस्या माना जाता है।

प्रथम शाकाहारी शहर-पालीताणा के नाम एक अद्वितीय उपलब्धि दर्ज है–यह दुनिया का पहला कानूनी रूप से शाकाहारी शहर है। वर्ष 2014 में जैन मुनियों के प्रयासों के बाद यहां मांसाहार, अंडे और पशु हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। यह निर्णय जैन धर्म के मूल सिद्धांत 'अहिंसा परमो धर्म' का सजीव उदाहरण पेश करता है।

बेकिंग सोडा से दांत साफ करना सही है क्या, आइये इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं

नियमित रूप से दांतों की सफाई के लिए दो बार ब्रश करना चाहिए। यह आपकी ओरल हेल्थ के लिए भी सही है। इससे दांतों में कैविटी नहीं लगती है और न ही मसूड़ों से संबंधित समस्या होती है। कुछ लोग दांतों की क्लीनिंग के लिए सिर्फ बाजार में मिलने वाले पेस्ट का उपयोग नहीं करते हैं। इसके अलावा दांतों पर बेकिंग सोडा भी लगाते हैं। ऐसे में यह सवाल जरूर मन में उठता है कि दांतों पर बेकिंग सोडा लगाना कितना सही है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या बेकिंग सोडा का रोजाना कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा जिसको सोडियम बाइकार्बोनेट के नाम से जानते हैं। इसमें अल्कलाइन प्रॉपर्टी पाई जाती है। जोकि दांतों की हेल्थ के लिए सही है। इसका इस्तेमाल करने से दांतों की ऊपरी परत के दाग-धब्बे दूर होते हैं। प्लाक कम करते हैं और मुंह का एसिड भी बेअसर हो जाता है। देखा जाए, तो दांतों पर बेकिंग सोडा लगाना पूरी तरह सुरक्षित है। हेल्थ एक्सपर्ट इसको ओरल क्लींजर भी कहते हैं। इससे दांतों का पीलापन दूर हो जाता है और दाग-धब्बे भी निकलते हैं।

» कितनी बार यूज करें

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो सप्ताह में सिर्फ दो बार बेकिंग का इस्तेमाल करना काफी होता है। इससे ज्यादा बेकिंग सोडा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे दांतों को फायदा होने की जगह नुकसान हो सकता है। ओरल हाइजीन के लिए आप रोजाना दो बार ब्रश करें और समय-समय पर फ्लॉसिंग भी करनी चाहिए।

» बेकिंग सोडा यूज करने के नुकसान

अगर आप रोजाना बेकिंग सोडा का दांतों पर इस्तेमाल करते हैं, तो यह सही नहीं है। इससे दांतों का इनेमल कमजोर हो सकता है, जिससे दांतों की सेंसिटिविटी बढ़ सकती है। यह मसूड़ों को भी प्रभावित करता है। हेल्थ एक्सपर्ट भी बताते हैं कि अगर किसी ने अपने दांतों पर क्राउन, ब्रेसेस या कैप लगा रखी है, तो उन लोगों को भी बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कम करना चाहिए। ज्यादा इस्तेमाल करने से दांतों पर उपयोग हुए प्रोडक्ट कमजोर होकर निकल सकते हैं।

» बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से दांतों की चमक बढ़ती है और दाग-धब्बे दूर होते हैं।

बेकिंग सोडा की सहायता से प्लाक दूर होता है।

मुंह से मौजूद एसिड भी बेकिंग सोडा से माइल्ड हो जाता है।

बेकिंग सोडा में अल्कलाइन पाया जाता है, जोकि मुंह की बदबू दूर करता है।

बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से मुंह की बदबू से छुटकारा मिलता है।

सिविल डिफेंस प्रखंड कृष्णा नगर की बैठक का किया गया आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला अधिकारी/नियंत्रक एवं चीफ वार्डन के निर्देशन में सिविल डिफेंस प्रखंड कृष्णा नगर की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रखंड के नवनियुक्त डिवीजनल वार्डन का माल्यार्पण के साथ अंगवस्त्र, बुके आदि देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात इस प्रखंड में रिक्त पदों को अतिशीघ्र भरने, प्रशिक्षण करवाने, नवीनीकरण और सक्रियता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने उपस्थित सभीको नागरिक सुरक्षा की आवश्यकता, उसके महत्व एवं समाज में उसकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से अवगत कराते हुए कहा कि आप सभी अवैतनिक एवं निष्काम सेवा हेतु इससे जुड़ कर आप सरकारी योजनाओं में अपनी सहभागिता प्रदान करके देशसेवा कर रहे हैं।अंत में राष्ट्रीय जल मिशन के जल संरक्षण एवं जल जागरुकता हेतु 'कैच द रेन' अभियान के तहत बारिश के पानी की बूँदों से जल संचय 'क्योंकि जल है तो हम हैं' के संकल्प हेतु सभी को शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब के कानपुर जिलाध्यक्ष बनाये गये एस पी सिंह

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब की एक अति आवश्यक बैठक का आयोजन इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब के चेयरमेन उमाशंकर त्यागी की अध्यक्षता में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष स्वाती अवस्थी के यहां पनकी रतनपुर में की गयी जहाँ विशिष्ट अतिथि के रूप में चौबेपुर ब्लाक के ब्लाक प्रमुख राजेश शुक्ला जी उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वप्रथम आये हुये अतिथियों के स्वागत उपरांत इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब के जर्नलिष्ट क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर सी मिश्रा नें संगठन के बारे में विस्तार से उपस्थित लोगों कों बताया और कानपुर जनपद कार्यकारिणी की मजबूती की आवश्यकता पर बल दिया। इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के के द्विवेदी नें बताया की संगठन में तीन क्लब जर्नलिस्ट क्लब पत्रकारों के लिये, लायर्स क्लब अधिवक्ताओं के लिये व सोशलिस्ट क्लब समाज के आम जनमानस की भलाई के लिये बनाये गये है जो एक दूसरे के पूरक है और आवश्यकता पडने पर एक दूसरे के साथ खड़े रहते है। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाकिम सिंह भदौरिया नें संगठन विस्तार पर जोर देते हुये कहा की संगठन के प्रत्येक सदस्य कों कम से कम दस सदस्य बनाने चाहिये जिससे संगठन का विस्तार हों सके और संगठन कों बल मिल सके।भौगोलिक संदर्भ

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव गौरव त्रिवेदी नें सभी से आपसी मनमुटाव छोड़कर आगे बढ़ने का आह्वान किया!

आज की बैठक के विशिष्ट अतिथि चौबेपुर ब्लाक के ब्लाक प्रमुख राजेश शुक्ला नें कहा की सभी पत्रकारों कों निष्पक्ष रहकर खबरों का संकलन व प्रकाशन करना चाहिये, किसी के प्रभाव में आये बिना सच्ची बात लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिये तभी पत्रकारिता के मूल उद्देश्यों की पूर्ति संभव होंगी! इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों की आम सहमति से कानपुर जनपद के पत्रकारों की लड़ाई लड़ने व अगुवाई करने के लिये एच आर भारत के सम्पादक एस पी सिंह कों कानपुर जनपद का जिलाध्यक्ष बनाया गया! एस पी सिंह के जिलाध्यक्ष मनोनयन पर पत्रकारों में खुशी का माहौल देखने कों मिला।

बैठक में प्रमुख रूप से सर्वश्री उमाशंकर त्यागी, आर सी मिश्रा, के के द्विवेदी, हाकिम सिंह भदौरिया, गौरव त्रिवेदी, श्याम कुशवाहा, स्वाती अवस्थी, अनंत त्रिवेदी, पंकज सिंह,, नीलेश अवस्थी, विनोद सिंह तोमर, मुनीश शर्मा, आकाश वर्मा, सोनम द्विवेदी, उर्वशी, अमित द्विवेदी, सरोज देवी, प्रदीप शुक्ला, सूरज शुक्ला, जीतू दुबे, प्रणव दुबे, अजय कुमार, अनिल कुमार अजय शुक्ला सहित सैकड़ों पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

नवाबगंज पुलिस एवं साइबर क्राइम टीम की संयुक्त कार्यवाही में साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना नवाबगंज पुलिस एवं सेंट्रल जोन की साइबर क्राइम टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए साइबर फ्रॉड के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश कर 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरोह का मुख्य सरगना क्षितिज वर्तमान में फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से बैंकिंग दस्तावेज, कई एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन, 58,800 नकद, एक कार एवं एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जांच में यह भी प्रकाश में आया है कि अभियुक्तों से संबंधित बैंक खातों के विरुद्ध एनसीआरपी पोर्टल पर 50 से अधिक साइबर शिकायतें दर्ज हैं।प्रारंभिक विवेचना में ज्ञात हुआ है कि अभियुक्त लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाते थे तथा उन्हीं खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन एवं हेराफेरी के लिए करते थे।प्रकरण में पुलिस गिरोह के संपूर्ण नेटवर्क की पड़ताल कर रही है तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने पति को सांप से डसवाया, हुई मौत

नीले ड्रम वाली से भी ज्यादा निकली खतरनाक

» बीपीएस न्यूज

उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक खौफनाक वारदात सामने आई है। एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति को मौत के घाट उतार दिया। पति को मारने के लिए रास्ता भी ऐसा चुना कि उस पर किसी को शक न हो। प्रेमी संग मिलकर उसने पति को सांप से डसवा दिया। इसके पीछे की वजह भी खौफनाक है। पति ने ये सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उसकी पत्नी की नजर उसकी बीमा रकम पर है। पुलिस ने पत्नी, उसके प्रेमी और दो सपेरों को गिरफ्तार किया है। डेमोग्राफ़िक्स

पुलिस के अनुसार ग्राम भंडोरा निवासी 35 वर्षीय अतुल पंवार अपनी पत्नी दामिनी के साथ हस्तिनापुर के रामलीला मैदान स्थित कृष्णा किड्स पब्लिक स्कूल का संचालन करता था। दोनों ने वर्ष 2019 में प्रेम विवाह किया था। शुक्रवार सुबह दामिनी ने पति को सांप के काटने की सूचना देकर सीएचसी हस्तिनापुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर अतुल के बिस्तर में सांप भी मिला। संदिग्ध परिस्थितियां होने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की।

दामिनी ने पुलिस की शुरुआती पूछताछ में बताया कि वह रात करीब 2 बजे अपने 6 साल के बेटे को लेकर दूसरे कमरे में सोने चली गई थी। सुबह जब कमरे में पहुंची, तो पति बेड पर चादर ओढ़कर लेटे थे। कई बार आवाज देने पर कोई हलचल नहीं हुई, तो पत्नी ने चादर हटाई। वहां एक सांप देखकर वह चीख पड़ी।

जांच के दौरान पुलिस ने दामिनी के मोबाइल की कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों की पड़ताल की। जिसमें स्कूल के ड्राइवर तुषार उर्फ निक्की से उसके लगातार संपर्क सामने आए। पूछताछ में तुषार ने बताया कि उसका दामिनी से प्रेम संबंध था। दोनों ने अतुल की हत्या की साजिश रची थी।

योजना के तहत गुरुवार रात अतुल को दूध में नींद की गोलियों की अधिक मात्रा दी गई, जिससे वह गहरी नींद में चला गया। अतुल जब गहरी नींद में चला गया तो दामिनी ने उसके कंबल में जहरीले सांप को छोड़ दिया। सांप ने अतुल को डस लिया और उसकी मौत हो गई।पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि अतुल के नाम करीब 20 लाख रुपये का बीमा था। आरोपियों ने बीमा की रकम मिलने के बाद सहयोग करने वाले सोनू और उदय को पांच लाख रुपये देने का वादा किया था। इसके अलावा करीब 20 दिन पहले भी तुषार ने अतुल को अर्टिगा कार से टक्कर मारकर मारने का प्रयास किया था, लेकिन हेलमेट पहने होने के कारण वह बच गया था।

हस्तिनापुर के कृष्णा किड्स प्ले स्कूल के संचालक अतुल पंवार एक सुबह घर के बाहर बिस्तर पर मृत मिले। चादर हटाते ही बिस्तर में सांप दिखाई दिया और पैर पर सर्पदंश जैसे निशान मिले। पहली नजर में हर किसी ने इसे सांप के काटने से हुई मौत माना। लेकिन पुलिस को कुछ बातें खटक रही थीं। जांच आगे बढ़ी, मोबाइल कॉल डिटेल खंगाली गई, रिश्तों की परतें खुलीं और फिर सामने पत्नी और प्रेमी का षडयंत्र आ गया।

बता दें कि दामिनी का प्रेमी भी शादीशुदा है। उसने अपनी पत्नी को तलाक देनी की तैयारी कर ली थी। लेकिन इससे पहले ही दोनों का खेल पुलिस के सामने खुल गया।

जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में 21 मामलों का मौके पर कराया निस्तारण

» 80 वर्षीय बुजुर्ग की टूटी हुई मेड़ कराई बहाल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील घाटमपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। समाधान दिवस में कुल 200 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 21 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत दिलाई गई। शेष प्रकरणों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को सात दिन की समय-सीमा निर्धारित करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय होगी।

समाधान दिवस में कई मामलों में मौके पर ही प्रभावी कार्रवाई कर प्रशासन ने लोगों का भरोसा मजबूत किया। ग्राम भदेवना में राजस्व अभिलेखों में दर्ज चकमार्ग पर हुए अतिक्रमण को शिकायतकर्ता की उपस्थिति में पैमाइश कर हटवाया गया तथा मनरेगा के माध्यम से मार्ग निर्माण का कार्य तत्काल शुरू करा दिया गया। ग्राम फरीदपुर मजरा गुच्चुपुर में 80 वर्षीय बुजुर्ग की टूटी हुई मेड़ को राजस्व टीम ने पुनः स्थापित कराया, जबकि ग्राम निबियाखेड़ा में रास्ते से अवरोध हटवाकर आवागमन सुचारु कराया गया। ग्राम जहांगीराबाद और हिरनी में चकमार्ग एवं परिक्रमा मार्ग से अतिक्रमण हटवाया गया, वहीं ग्राम भदरस में पैमाइश कराकर खेत की मेड़ पुनः स्थापित कराई गई।

जनसुविधाओं से जुड़े मामलों में भी तत्काल कार्रवाई की गई। कमालपुर में चारदीवारी के भीतर चले गए सरकारी हैंडपंप को मुक्त कराया गया। खाद की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक बिक्री की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला कृषि अधिकारी की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर जांच शुरू कराई।

राजस्व अभिलेखों से संबंधित कई मामलों का भी मौके पर निस्तारण किया गया। डोहरू निवासी शशी की खतौनी से गलत सहखातेदार का नाम नियमानुसार हटवाकर उन्हें मौके पर संशोधित खतौनी की प्रति उपलब्ध कराई गई। इछौली निवासी बिटान देवी का नाम खतौनी के मुख्य पृष्ठ पर दर्ज कराया गया।

कई अन्य मामलों में खतौनी में नाम संशोधन की प्रक्रिया पूरी कराई गई अथवा आवश्यक आख्या तत्काल प्रेषित कर शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई से अवगत कराया गया। कुम्हेडिया निवासी अभिषेक तिवारी को ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र की द्वितीय प्रमाणित प्रति भी मौके पर उपलब्ध कराई गई।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में भी फरियादियों को राहत दिलाई गई। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की पात्र लाभार्थी को बताया गया कि बजट प्राप्त होते ही डीबीटी के माध्यम से धनराशि उनके आधार लिंक्ड बैंक खाते में भेजी जाएगी। निराश्रित महिला पेंशन और वृद्धावस्था पेंशन से जुड़े मामलों में आवश्यक ई-केवाईसी, सत्यापन एवं अन्य औपचारिकताएं तत्काल पूर्ण कराते हुए अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित कराई गई। आवास योजना के एक प्रकरण में जांच के आधार पर पात्रता की स्थिति स्पष्ट करते हुए शिकायतकर्ता को नियमानुसार जानकारी दी गई। वहीं भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास कराया गया, लेकिन सहमति न बनने पर संबंधित पक्ष को सक्षम न्यायालय से विधिक राहत प्राप्त करने की सलाह दी गई।

समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग के सर्वाधिक 82, पुलिस के 35, विकास विभाग के 25, विद्युत विभाग के 13 तथा नगर पालिका के 11 प्रकरण शामिल रहे। शेष शिकायतें अन्य विभागों से संबंधित थीं।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाला कार्यक्रम है। शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक मामले का स्थायी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।संपूर्ण समाधान दिवस में विधायक घाटमपुर सरोज कुरील, डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी, उपजिलाधिकारी घाटमपुर अभिचल प्रताप सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए आलोक कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में दिव्यांगजनों के लिए हुआ विशेष शिविर का आयोजन

संपूर्ण समाधान दिवस में दिव्यांगजनों के लिए हुआ विशेष शिविर का आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील घाटमपुर, कानपुर नगर में जिलाधिकारी के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना रहा।86 दिव्यांगजनों का चिकित्सकीय परीक्षण दिव्यांग बोर्ड के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया गया, जिनमें से 51 दिव्यांगजनों को तत्काल दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 26 दिव्यांगजनों को जाँच हेतु रेफर किया गया। 9 दिव्यागजनों के आवेदन निरस्त किए गए। 4 दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन हेतु पंजीकृत किया गया। 13 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण हेतु पंजीकृत किया गया। 02 दिव्यागजनों के बैंक खाते को एनपीसीआई से लिंक किया गया।इस अवसर पर जिला अधिकारी कानपुर नगर, मुख्यचिकित्सा अधिकारी , उप जिलाधिकारी घाटमपुर, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, तहसीलदार घाटमपुर उपस्थित रहे तथा उनके द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।शिविर में चिकित्सा विभाग, पूर्ति विभाग, राजस्व विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, समाज कल्याण विभाग , प्रोबेशन विभाग, श्रम विभाग सहित विभिन्न विभागों ने सहभागिता की।

एसडीएम सदर व एनडीआरएफ ने किया संयुक्त स्थलीय निरीक्षण

कानपुर। संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शनिवार को उप जिलाधिकारी (सदर) अनुभव सिंह (आईएएस) एवं 11वीं वाहिनी एनडीआरएफ के टीम कमांडर निरीक्षक दीपक कुमार कमलिया के नेतृत्व में संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, संभावित जलभराव वाले स्थानों, सुरक्षित निकासी मार्गों, राहत शिविरों की संभावित व्यवस्था तथा राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर बाढ़ के दौरान आने वाली चुनौतियों, पूर्व के अनुभवों तथा आवश्यक संसाधनों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की गई।

उप जिलाधिकारी (सदर) अनुभव सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ पूर्व सभी तैयारियां समयबद्ध, समन्वित एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों की निरंतर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए।

एनडीआरएफ के टीम कमांडर निरीक्षक दीपक कुमार कमलिया ने बताया कि 11वीं वाहिनी एनडीआरएफ किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए पूर्णतः तैयार है। स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत कार्ययोजना पर प्रभावी ढंग से कार्य किया जा रहा है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके।

संयुक्त निरीक्षण का उद्देश्य बाढ़ पूर्व तैयारियों का आकलन करना, प्रशासन एवं एनडीआरएफ के बीच समन्वय को और सुदृढ़ बनाना तथा संभावित आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संचालित करने की तैयारियों को अंतिम रूप देना है।

होमगार्ड्स की समस्याएं सुन बोले डीजी ध्रुवकांत ठाकुर: जल्द होगा हर समस्या का समाधान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स विभाग के महानिदेशक व कमांडेंट जनरल, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ध्रुव कांत ठाकुर ने गुरुवार को कानपुर नगर का दौरा किया। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने स्थानीय सर्किट हाउस में मंडल और जिले के होमगार्ड अधिकारियों व जवानों के साथ एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक की। राज्यऔर स्थानीय प्रशासन

बैठक के दौरान डीजी ध्रुव कांत ठाकुर ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में होमगार्ड्स की सक्रिय भूमिका की जमकर सराहना की।

उन्होंने किसी औपचारिकता के बिना सीधे जवानों से संवाद स्थापित किया और उनकी विभागीय व व्यक्तिगत समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना।

जवानों ने मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दों को डीजी के समक्ष रखा

ड्यूटी भत्ते और मानदेय- भत्तों के समय पर भुगतान और विसंगतियों को दूर करने की मांग।

व्यावहारिक दिक्कतें- कार्यस्थल (ड्यूटी पॉइंट) पर आने वाली बुनियादी और व्यावहारिक परेशानियां।

समस्याओं को सुनने के बाद महानिदेशक ने मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों व जिला कमांडेंट को इन व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

जवानों को आश्वस्त करते हुए डीजी ध्रुव कांत ठाकुर ने कहा-होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश पुलिस बल के मजबूत सहयोगी हैं।

आपकी हर जायज समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान कराया जाएगा। किसी भी जवान को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

जिलाधिकारी सुन लेंगे मेरी बात, इसी भरोसे 18 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंची महिला संपूर्ण समाधान दिवस में

सुनवाई खत्म होने के बाद भी सुनी फरियाद, शाम तक महिला के घर पहुंचा प्रशासन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई समाप्त हो चुकी थी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे थे। तभी एक महिला घबराई हुई उनके पास पहुंची और अपनी समस्या बताने लगी। उसने बताया कि उसका राशन कार्ड नहीं है और सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का हस्तांतरण भी नहीं हो पा रहा है। जिलाधिकारी ने आवेदन पत्र मांगा तो महिला ने बताया कि वह जल्दबाजी में प्रार्थना पत्र भी नहीं लिख पाई। रिंकी मिश्रा ने बताया कि उसकी समस्याओं को देखते हुए गांव के लोगों और शुभचिंतकों ने उसे सलाह दी थी कि वह जिलाधिकारी से मिले। उसकी एक ही बात थी, डीएम साहब मेरी बात सुन लेंगे। इसी भरोसे वह तहसील नरवल क्षेत्र के ग्राम बीर सिंहपुर से करीब 18 किलोमीटर पैदल चलकर घाटमपुर तहसील पहुंची थी।

महिला की बात सुनने के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह को उसी दिन मौके पर पहुंचकर पूरे प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रशासन की टीम शाम तक महिला के घर पहुंच गई।कच्ची दीवारों और जर्जर टीन की छत वाले घर में रह रहे परिवार के पास बिजली जाने पर रोशनी की समुचित व्यवस्था भी नहीं थी। जांच में सामने आया कि महिला का राशन कार्ड नहीं बना था, जबकि सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का हस्तांतरण लंबे समय से लंबित था।

महिला रिंकी मिश्रा (41) की सबसे बड़ी चिंता उसकी दोनों बेटियां हैं। बड़ी बेटी 17 वर्ष की है, जो पूर्णतः दिव्यांग है और उसे निरंतर देखभाल की जरूरत है। वहीं 15 वर्षीय दीक्षा ने अभावों के बीच भी पढ़ाई नहीं छोड़ी। रिंकी मिश्रा के पति राजीव मिश्रा की लगभग 10 वर्ष पूर्व आकस्मिक मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद से पूरा परिवार कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहा है। दीक्षा ने कक्षा छह की परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। अधिकारियों के पहुंचने पर परिवार की स्थिति बताते बताते महिला भावुक हो उठी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उपजिलाधिकारी अबिचल प्रताप सिंह ने तत्काल राहत के रूप में राशन, रसोई का आवश्यक सामान, सब्जियां, फल, मिठाई, बिस्किट सहित अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई। इसके साथ ही परिवार को पांच हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

मौके की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने महिला की विधवा पेंशन स्वीकृत कराने, सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का नियमानुसार हस्तांतरण कराने तथा परिवार को अन्य पात्र सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से समयबद्ध रूप से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही बीएसए को निर्देशित किया कि दीक्षा की पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण प्रभावित न होने पाए। यदि नियमानुसार संभव हो तो उसके अध्ययनरत निजी विद्यालय से समन्वय कर फीस में आवश्यक राहत दिलाने अथवा अन्य उपयुक्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त परिवार की दिव्यांग बेटी का दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया भी शुरू करा दी गई है, जिससे उसे शासन की ओर से अनुमन्य सभी दिव्यांगजन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

कानपुर की पीड़ित महिलाओं को 'सखी वन स्टॉप सेंटर' दे रहा सुरक्षा कवच

बीपीएस न्यूज़, विशेष जागरूकता अभियान

» सेंटर ने बिखरे परिवारों को जोड़ा और पीड़ितों को दिया तत्काल सहारा

» मनोसामाजिक परामर्श और आपसी समझौते से सुलझाए गए सबसे ज्यादा विवाद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के 'मिशन शक्ति' अभियान का असर धरातल पर साफ दिख रहा है। महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें तत्काल सहायता पहुंचाने के संकल्प को कानपुर का 'सखी वन स्टॉप सेंटर' बखूबी पूरा कर रहा है। इस साल जनवरी से जून 2026 के बीच, यानी महज छह महीनों में ही, जिले की 1924 पीड़ित महिलाओं को इस सेंटर के जरिए नया जीवन और मजबूत सहारा मिला है। सरकार की इस पहल से न सिर्फ महिलाओं का आत्मबल बढ़ा है, बल्कि टूटने की कगार पर पहुंच चुके सैकड़ों परिवार भी फिर से एक हो गए हैं।

किस महीने कितनी महिलाओं को मिली मदद

सखी वन स्टॉप सेंटर के मासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो हर महीने पीड़ितों को न्याय और राहत देने के लिए पूरी संवेदनशीलता से काम किया गया है। सुलह-समझौते के मामलों में जनवरी में 41, फरवरी में 40, मार्च में 29, अप्रैल में 142, मई में 122 और जून में 48 मामलों का निस्तारण किया गया। इसी तरह, सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यानी मनोसामाजिक परामर्श के तहत जनवरी में 117, फरवरी में 135, मार्च में 141, अप्रैल में 142, मई में 235 और जून में 163 महिलाओं की काउंसलिंग कर उन्हें मानसिक तनाव से उबारा गया।

संकट में फंसी महिलाओं को सुरक्षित आश्रय देने के लिए शेल्टर होम की सुविधा भी दी गई, जिसमें जनवरी में 37, फरवरी में 19, मार्च में 33, अप्रैल में 35, मई में 46 और जून में 41 मामले आए।

स्वास्थ्य संबंधी आपातकाल के लिए मेडिकल सहायता के तहत जनवरी में 37, फरवरी में 19, मार्च में 33, अप्रैल में 35, मई में 42 मामले दर्ज किए गए,

जबकि जून में कोई मामला नहीं आया। कानूनी फेर में फंसी महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता भी दी गई, जिसमें जनवरी में 5, फरवरी में 4, मार्च में 5, अप्रैल में 8, मई में 9 और जून में 7 मामले शामिल रहे। वहीं, त्वरित सुरक्षा के लिए पुलिस सहायता के तहत जनवरी में 22, फरवरी में 8, मार्च में 33, अप्रैल में 26, मई में 38 और जून में 27 मामलों में तुरंत मदद पहुंचाई गई।

महिलाओं को मानसिक तनाव से बाहर निकाल रहा सेंटर

छह महीने की इस अवधि में सबसे अधिक काम महिलाओं को मानसिक तनाव से बाहर निकालने और पारिवारिक विवादों को आपसी रजामंदी से निपटाने में हुआ है। सबसे ज्यादा 933 महिलाओं को मनोसामाजिक परामर्श दिया गया, जिससे वे अपने अवसाद से बाहर निकल सकीं।

इसके अलावा, 422 मामलों में दोनों पक्षों को बिठाकर बेहद सूझबूझ के साथ सुलह-समझौता कराया गया, जिससे कई घर उजड़ने से बच गए।

वहीं, बेघर और प्रताड़ित महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए 211 मामलों में शेल्टर की सुविधा दी गई। गंभीर परिस्थितियों में फंसी महिलाओं के इलाज के लिए 166 मामलों में मेडिकल केस दर्ज कर उपचार कराया गया, जबकि 154 मामलों में तुरंत पुलिस सहायता और 38 मामलों में मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराकर महिलाओं को उनके हक दिलाए गए।

सखी वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर वंदना द्विवेदी ने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर का एकमात्र उद्देश्य पीड़ित महिला को एक ही छत के नीचे बिना किसी भटकाव के सभी जरूरी सुविधाएं देना है। हमारे पास आने वाली हर पीड़ित बहन-बेटी को हम सबसे पहले मानसिक रूप से मजबूत करते हैं। छह महीने में 900 से अधिक महिलाओं की काउंसलिंग और 400 से ज्यादा परिवारों में सुलह कराना हमारी टीम की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि महिला सुरक्षा और सम्मान योगी सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है।

सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से हम हर पीड़ित महिला तक त्वरित प्रशासनिक, कानूनी और चिकित्सीय मदद पहुंचा रहे हैं। आंकड़ों से साफ है कि पुलिस सहायता, चिकित्सा और विधिक सहायता के मामलों में त्वरित कार्रवाई की गई है। हमारा विभाग लगातार इस बात की निगरानी करता है कि सेंटर पर आने वाली किसी भी महिला को परेशानी न हो और उसे समय पर मदद मिले।÷

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि ÷कानपुर जिला प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर एक बेहद प्रभावी माध्यम साबित हुआ है।

यहां एक ही छत के नीचे पुलिस और काउंसलर की मौजूदगी से पीड़ितों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। महिलाओं को त्वरित राहत मिलना इस व्यवस्था की सफलता है।

जब औलाद ने छोड़ा साथ, तो कानून ने थामा हाथ!

सच्ची कहानी, अंक- 3

बीपीएस न्यूज़ की बुजुर्गों के अधिकारों पर विशेष सामाजिक जागरूकता मुहीम (भाग- 3)

प्रिय पाठकों, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर उन हाथों को भूल जाते हैं, जिन्होंने हमें चलना सिखाया। समाज में बुजुर्गों के साथ बढ़ती उपेक्षा और अकेलेपन को देखते हुए 'बीपीएस न्यूज़' एक नई मुहिम चला रहा है। भारत सरकार द्वारा बनाए गए 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' की संपूर्ण जानकारी हम हर हफ्ते किस्तों में आप तक पहुँचा रहे हैं। हमारा उद्देश्य केवल कानून बताना नहीं, बल्कि हर बुजुर्ग को उसका हक और हर नागरिक को उसका कर्तव्य याद दिलाना है। आइए, इस मुहिम से जुड़ें और जागरूक बनें।

अंक 3:- शिकायत और आवेदन की प्रक्रिया

जागरूक नागरिक- बिना वकील और बिना कोर्ट-कचहरी के कैसे पाएं न्याय?

वरिष्ठ नागरिकों को अदालतों के लंबे चक्कर न काटने पड़ें, इसीलिए इस कानून के तहत एक बेहद सरल और मुफ्त प्रक्रिया बनाई गई है।

शिकायत कहाँ करें?

हर जिले में सरकार द्वारा 'भरण-पोषण अधिकरण' (Maintenance Tribunal) का गठन किया गया है, जिसके अध्यक्ष आमतौर पर एसडीएम (SDM) या उप-विभागीय मजिस्ट्रेट होते हैं।

आवेदन कैसे करें?

बुजुर्ग स्वयं एक सादे कागज पर आवेदन लिखकर एसडीएम कार्यालय में दे सकते हैं।

यदि बुजुर्ग खुद जाने में असमर्थ हैं, तो उनकी तरफ से कोई भी अन्य व्यक्ति या मान्यता प्राप्त संस्था (NGO) आवेदन कर सकती है।

विशेष बात: इस प्रक्रिया में किसी महंगे वकील की ज़रूरत नहीं होती। बुजुर्ग सीधे अपनी बात रख सकते हैं।

फैसले की समय सीमा- कानून के अनुसार, आवेदन करने के 90 दिनों के भीतर ट्रिब्यूनल को मामले का निपटारा कर फैसला सुनाना होता है (विशेष परिस्थितियों में 30 दिन बढ़ाए जा सकते हैं)।

ट्रिब्यूनल बच्चों को हर महीने अधिकतम 10,000 (या राज्य सरकार द्वारा तय राशि) तक का गुजारा भत्ता देने का आदेश दे सकता है।

बीपीएस न्यूज़ - सच्ची कहानी

बदला बेटे का दिल:- एसडीएम कोर्ट की चौखट पर सुलझा पारिवारिक विवाद, फौजी बेटे ने मां से मांगी माफी

कानपुर। कानून और समझदारी के सही तालमेल से एक बिखरते परिवार को फिर से नई जिंदगी मिली है। मामला श्याम नगर इलाके का है, जहां एक बुजुर्ग मां को अपने हक के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयास और पारिवारिक समझदारी से आखिरकार यह विवाद सुलह-समझौते के साथ समाप्त हो गया। फौजी बेटे ने न्यायालय में अपनी गलतियों के लिए मां से क्षमा मांगी और हर महीने 10,000 भरण-पोषण भत्ता देने के साथ-साथ जीवनभर उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

क्या था पूरा मामला?-श्याम नगर निवासी एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला के दो पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। उनका सबसे छोटा बेटा भारतीय सेना में सिपाही के पद पर तैनात है, जबकि बड़ा बेटा मानसिक रूप से विकलांग है। बुजुर्ग महिला के पति सिविल डिफेंस से सेवानिवृत्त हैं, जिन्हें मिलने वाली 19,000 की पेंशन में से वह महिला को 5,000 देते हैं। महिला के कंधों पर अपने मानसिक रूप से विकलांग बेटे की जिम्मेदारी और स्वयं के भरण-पोषण का भारी बोझ था।

महिला का आरोप था कि शादी के बाद से ही उनके छोटे फौजी बेटे का व्यवहार बदल गया था। वह न तो घर की जिम्मेदारियां उठा रहा था और न ही मां के बीमार होने पर इलाज का खर्च दे रहा था। इस उपेक्षा से तंग आकर बुजुर्ग मां ने 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' के तहत न्याय और अपने हक के लिए एसडीएम कोर्ट में मुकदमा दायर कर दिया था।

सुलह अधिकारी के सामने बदला बेटे का हृदय-मुकदमे की सूचना मिलने के बाद सेना में कार्यरत छोटा बेटा न्यायालय में सुलह अधिकारी के समक्ष उपस्थित हुआ। काउंसलिंग के दौरान सुलह अधिकारी ने बेटे को फटकार लगाते हुए मां के प्रति उसके कर्तव्यों का बोध कराया। देश की रक्षा करने वाले फौजी बेटे को जब अपनी बुजुर्ग मां के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास हुआ, तो उसका दिल पिघल गया।बेटे ने अपनी मां के सामने स्वेच्छा से अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगी। उसने लिखित रूप में समझौता करते हुए वादा किया कि वह हर महीने 10,000 सीधे अपनी मां के बैंक खाते में भरण-पोषण के लिए भेजेगा। इसके साथ ही उसने मां की हर सुख-सुविधा और इलाज का पूरा ख्याल रखने व भविष्य में कभी परेशान न करने का लिखित आश्वासन दिया है।

समझौता तोड़ा तो होगी कानूनी कार्रवाई- सुलह अधिकारी-

मामले की मध्यस्थता कर रहे सुलह अधिकारी धीरेंद्र कुमार दोहरे ने बताया~ हमने दोनों पक्षों को बुलाकर काउंसलिंग की, जिसके बाद दोनों के बीच सम्मानजनक सुलह हो गई है। बेटे ने अपनी गलती मानकर मां से माफी मांगी है और वह हर माह 10,000 भरण-पोषण के रूप में देगा। यदि भविष्य में बेटा इस सुलहनामे की शर्तों का पालन नहीं करता है या समझौता तोड़ता है, तो पीड़ित मां को दोबारा कानूनी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार होगा।इस सुलह-समझौते के बाद बुजुर्ग मां के चेहरे पर राहत और संतोष के भाव दिखाई दिए। कोर्ट की चौखट पर हुए इस सुखद अंत ने समाज को संदेश दिया है कि बुजुर्ग माता-पिता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

बीपीएस न्यूज़ की सीख

यह मामला समाज के उन तमाम बुजुर्गों के लिए एक बड़ी मिसाल है, जो अपने ही बच्चों के अत्याचारों को भाग्य की लकीर मानकर चुपचाप सहते रहते हैं। 'वरिष्ठ नागरिक अधिनियम 2007' न सिर्फ बुजुर्गों को त्वरित न्याय दिलाता है, बल्कि बिखरते हुए परिवारों को फिर से जोड़ने का काम भी करता है। जरूरत सिर्फ सही समय पर सही मंच तक आवाज पहुँचाने की है।

अगले हफ्ते (अंक-4) ज़रूर पढ़ें

बच्चों द्वारा भरण-पोषण न देने पर सजा का प्रावधान- साथ ही अगली नई सच्ची कहानी के साथ जानिए अगले हफ्ते केवल बीपीएस न्यूज़ पर।

मदद के लिए यहाँ संपर्क करें -राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन (Elderline)- **14567** (टोल-फ्री नंबर)

नज़दीकी सहायता- अपने क्षेत्र के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (SDM) कार्यालय या स्थानीय पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजे।